Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 10 अंक: 333 जयपुर, रविवार, 05 मई 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ` 1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

पीएम मोदी बोले- मौज नहीं मिशन के लिए पैदा हुआ

मेरे पास ना साइकिल ना घर, 25 साल में एक पैसे के भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा

संजीवनी टुडे

पलामू / गुमला। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार 4 मई को झारखंड के पलामू और गुमला में जनसभा की। पलामू में पीएम ने भीड़ को देखकर कहा कि आप लोगों ने ख्व्रख्र- कांग्रेस को दिन में तारे दिखा दिए। पीएम मोदी ने लोगों को वोट की ताकत बताई। उन्होंने कहा कि आपके एक वोट से आज राम मंदिर बना। जम्मू-कश्मीर में आपके एक वोट से 370 हट गई। पीएम ने कहा कि आपके आशीर्वाद से मोदी पर 25 साल में एक पैसे के भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा। मोदी मौज नहीं मिशन के लिए पैदा हुआ है। परिवारवाद पर हमला करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये लोग अपने बच्चों के लिए पैसा जमा कर रहे हैं। मेरे पास ना साइकिल है ना घर। मेरा परिवार और वारिस तो आप लोग हैं। मैं आपको विकसित भारत देना चाहता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन लोगों को मेरे आंसू अच्छे लगते हैं। कांग्रेस की डरपोक सरकार दुनिया में जाकर रोती थी। आज पाकिस्तान दुनियाभर में जा-जाकर रोता है। आज पाकिस्तान के नेता कांग्रेस को पीएम बनाने के लिए दुआ कर रहे हैं। मजबूत भारत आज मजबूत सरकार ही चाहता है। पीएम ने कहा कि मां भारती का अपमान नहीं सहेंगे। मोदी ने कहा कि ये नया भारत है, घर में घुसकर मारता है। भारत ने पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया था। पहले कोई समय ऐसा नहीं होता था कि देश की सेवा करते-करते नौजवान सीमा पर शहीद ना होते हों। पहले ये हर महीने चलता था।

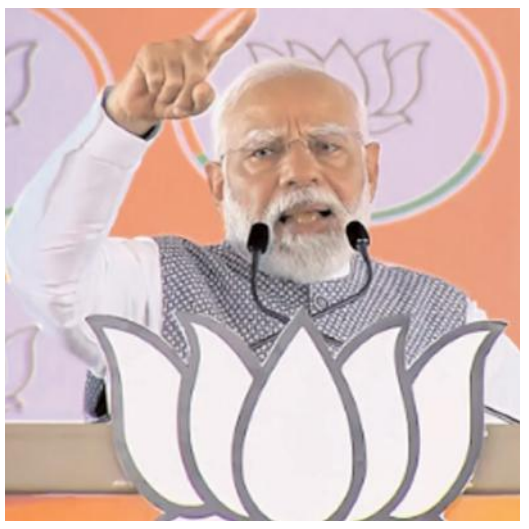

कांग्रेस के शाही परिवार को तकलीफ हो रही

कांग्रेस के शाही परिवार को तकलीफ हो रही है। मैं सोचता हूं कि गरीब का परिवार भूखा ना रहे। उनके घर चूल्हा जलता रहे तो उनको परेशानी होती है। शाही परिवार कुछ भी कहे लेकिन मोदी ने मुफ्त राशन देने की गारंटी दे रखी है। मैंने जब स्वच्छता अभियान शुरू किया तो कांग्रेस वालों ने गालियां दी। कहा- झाड़ू लगाने से क्या होगा। शौचालय बनाने से क्या होगा। आज देखिए इसका क्या फायदा हो रहा। मैंने जब मोबाइल का डेटा सस्ता किया तो जेएमएम-कांग्रेस वालों ने सवाल किया कि गरीब इंटरनेट का क्या करेगा। आज इंटरनेट के कारण गरीब सोशल मीडिया में हीरो है।

पीएम ने इंडी गठबंधन को बताया मूर्खों का सरदार

पीएम ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले मेरे खिलाफ झूठ फैलाते हैं। वो कह रहे हैं कि मैं आऊंगा तो संविधान बदल दूंगा। आरक्षण खत्म कर दूंगा। मूर्खों के सरदार मैं तो 10 साल पहले ही आ चुका हूं। 10 साल से पीएम हूं। कांग्रेस खुद आरक्षण में डाका डालने का काम कर रही है। आज ये सब बंद हो चुका है। ये आपके एक वोट ने किया है। वहीं गुमला में उन्होंने कांग्रेस और इंडी गठबंधन को घेरा। पीएम ने कहा ये मेरे खिलाफ वोट जिहाद कर रहे। ये कुछ भी कर लें लेकिन देश पीछे हटने वाला नहीं और मोदी डरने वाला नहीं। इंडी गठबंधन को मूर्खों का सरदार बताते हुए कहा कि मेरे खिलाफ झूठ फैलाते हैं कि मैं आऊंगा तो आरक्षण खत्म कर दूंगा। मैं तो 10 साल पहले ही आ चूका। दो बार से पीएम भी हूं। सच तो ये हैं कि इंडी गठबंधन वाले आपके आरक्षण में डाका डालकर उसे मुसलमानों को देना चाहते हैं, लेकिन जब तक मैं हूं..ऐसा होने नहीं दूंगा। पीएम ने कहा कि झारखंड में कोई ऐसा एग्जाम नहीं है, जिसका पेपर लीक नहीं होता हो।

जिसने झारखंड को लूटा वो जेल में

प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां के मुख्यमंत्री ने झारखंड को लूटा। आज वो जेल में बंद हैं। भ्रष्टाचार करने वालों पर कार्रवाई तो होगी ना। कोर्ट भी इस पर ठप्पा लगा रहा है। मैं कहता हूं भ्रष्टाचारियों को भगाओ, इंडी वाले कहते हैं- भ्रष्टाचारियों को बचाओ। पीएम ने कहा कि कांग्रेस सांसद के घर से नोटों के ढेर मिले। इतने पैसे कि गिनने के लिए आई मशीनें भी हांफने लगीं। ये पैसा आपका है, इतनी लूट का अधिकारी इन्हे किसने दिया। पीएम ने कहा कि झारखंड में कोई ऐसा एग्जाम नहीं है, जिसका पेपरलीक नहीं होता हो। इससे झारखंड के युवाओं का क्या होगा। यहां की सरकार से कुछ नहीं होगा तो मुझे ही दिल्ली से बैठकर डंडा चलाना पड़ेगा। हमने पेपरलीक के लिए बड़ा कानून बनाया। पीएम ने पिछड़ों जिलों के लिए चल रहे विकास योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि इसका सुझाव मुझे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी ने दिया था। आगे उन्होंने कहा कि आपलोग को नहीं भूलना चाहिए कि एक आदिवासी दलित बेटी द्रौपदी मुर्मू को देश का राष्ट्रपति बनाने का सबसे ज्यादा विरोध इंडी गठबंधन ने किया था। पीएम ने कहा कि कांग्रेस के पाप की लिस्ट बनाए तो कई दिन निकल जाएं। ये कांग्रेस ही है, जिसने पलामू, गुमला, लोहरदगा को पिछड़ा बताकर छोड़ दिया। इन जिलों में बिजली-पानी की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन मैंने इन जिलों को आकांक्षी जिले बनाया। आज ये आकांक्षी जिले देश के बाकी जिलों की राह पर आ गए हैं।

कश्मीर में आतंकी हमला, एक जवान शहीद, 4 घायल

पुंछ में सुरक्षाबलों के 2 वाहनों पर 4 आतंकियों ने फायरिंग की थी

संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शनिवार शाम (4 मई) एयरफोर्स के जवानों पर हुए आतंकी हमले में एक जवान शहीद हो गया। हमले में पांच जवान घायल हुए थे, जिन्हें एयरलिफ्ट कर उधमपुर के अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान एक जवान की मौत हो गई। एक अन्य जवान की हालत गंभीर बनी हुई है। यह हमला पुंछ के शाहसितार इलाके में शाम 6 बजकर 15 मिनट पर हुआ। 4 आतंकियों ने सुरक्षाबलों के दो वाहनों पर भारी फायरिंग की। इसमें से एक वाहन एयरफोर्स का था। दोनों गाड़ियां सनाई टॉप जा रही थीं। आतंकियों की गोलियां वाहन के सामने और साइड वाले शीशे को पार कर गईं। सेना के सूत्रों के मुताबिक, घटना वाले इलाके में एयरफोर्स की गरुड़ स्पेशल फोर्स को तैनात किया गया है। आर्मी और जम्मू-कश्मीर पुलिस भी मौके पर मौजूद हैं। इलाके को घेर लिया गया है और सर्च ऑपरेशन जारी है। एयरफोर्स ने ङ्ग पर बताया कि हमारे जवानों ने भी आतंकियों पर जवाबी फायरिंग की। इससे पहले सुरनकोट में 21 दिसंबर को सेना के काफिले पर आतंकियों ने हमला किया था। इस हमले की जिम्मेदारी पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट ने ली थी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, सेना

के अधिकारियों को शक है कि शनिवार शाम को हुए हमले में भी इसी संगठन का हाथ है। रिपोर्ट में भी बताया गया है कि अधिकारियों को संदेह है कि इस घटना को लश्कर ने अंजाम दिया है। पुंछ, राजौरी-अनंतनाग लोकसभा सीट में आता है। यहां छठे फ़ेज में 25 मई को वोटिंग है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों के हाथ में एके असॉल्ट राइफल्स थी। हमले के बाद वे पास के जंगल की ओर भाग गए। लगातार चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के बावजूद अभी तक कोई पकड़ में नहीं आया है। उधर, शुक्रवार से ही पूरे पुंछ में पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्सेस को सर्च ऑपरेशन चल रहा है। पुलिस को पुंछ में कुछ आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। हालांकि, अभी तक कोई भी गिरफ्तार नहीं हुआ है।

राजस्थान-मध्यप्रदेश समेत 17 राज्यों में 2 दिन बाद बदलेगा मौसम

8 दिन बारिश संभव; मुंबई-तमिलनाडु के समुद्र में 5 फुट ऊंची लहरें उठ सकती हैं

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। देश में भीषण गर्मी और हीटवेव का सामना कर रहे शहरों को अगले 8 दिन राहत मिलने जा रही है। 4 मई से एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो रहा है। इसके चलते पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी होगी, जबकि मैदानी इलाकों में मौसम बदलेगा और बारिश होगी। फिलहाल उत्तर भारत के अलावा दक्षिण भारत में आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक में हीटवेव (लू) से पारा 45 का आंकड़ा भी पार कर गया है। 3 मई को देश में सबसे ज्यादा तापमान आंध्रप्रदेश के नांदयाल का रहा, जहां 46.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। इसके बाद तेलंगाना के खम्मम, बंगाल के कलाईकुंडा, ओडिशा के बौद्ध और तमिलनाडु के इरोड में पारा 42 डिग्री से 45 डिग्री के बीच रिकॉर्ड हुआ।इंडियन नेशनल सेंटर फॉर ओशियन इन्फॉर्मेशन सर्विस) ने शनिवार (4 मई) से अगले 36 घंटों के लिए मुंबई और आसपास के तटीय इलाकों में हाई टाइड अलर्ट जारी किया है। इस दौरान समंदर में 5 फुट तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। एक दिन पहले केरल और तमिलनाडु में भी हाई टाइड का अलर्ट जारी किया गया। मछुआरों को 4 मई की रात 2.30 बजे से 5 मई की रात 11.30 तक समंदर में न जाने की सलाह दी गई है। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन

प्राधिकरण के मुताबिक शनिवार को राज्य के 227 मंडलों में भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है। केरल के 14 में से 12 जिलों में हीटवेव का येलो अलर्ट जारी किया है। यहां तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। दिल्ली में 4 मई को बारिश की संभावना है। 9 से 11 मई तक प्री-मानसून के तहत मौसम बदल सकता है। राजस्थान में अगले 2 दिन में पारा 42 डिग्री तक जा सकता है। वहीं, अगले हफ्ते 20 जिलों में लू का भी अलर्ट है। गर्मी का असर 8 मई तक रहेगा। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि शनिवार को उदयपुर, जयपुर, अजमेर, जोधपुर और भरतपुर संभाग के जिलों में बादल छाए हैं। लेकिन बारिश होने की संभावना बहुत कम है। अगले तीन-चार दिन प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा। मध्यप्रदेश में कई जिलों में पारा 42 डिग्री पार पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक ग्वालियर, खरगोन और खंडवा में हीट वेव यानी लू चल सकती है।

ईस्ट इंडिया में प्री मानसून का दौर शुरू हो सकता है

मौसम की जानकारी जुटाने वाली प्राइवेट एजेंसी स्कायमेट के अनुसार 6 मई से प्री-मानसून का दौर शुरू होने की उम्मीद है। नॉर्थईस्ट के राज्यों में 4 मई से 9 मई तक बारिश होगी। साथ ही 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। नॉर्थ इंडिया यानी बिहार, झारखंड, बंगाल, उत्तर प्रदेश और ओडिशा में भी बारिश हो सकती है। विभाग ने समुद्र में जिस तरह से लहरें उठने की संभावना जताई गई है, उसे कलाक्कडल कहते हैं। कलाक्कडल का अर्थ है- समुद्र का अचानक से चोरों की तरह आना। यानी इस घटना में अचानक से ऊंची लहरें उठती हैं। ॠाएग्ॠ्ञ के मुताबिक, समुद्र में अचानक से लहरें उठने लगती हैं। इसका कोई संकेत या वॉर्निंग नहीं होती। इसलिए इसे कलाक्कडल कहा जाता है। इसी के चलते हिंद महासागर के दक्षिणी हिस्से में एक निश्चित समय में तेज हवाएं चलने की संभावना है।

दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लवली भाजपा में शामिल

आप से गठबंधन पर कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ा था, 4 अन्य नेता भी भाजपा में आए

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने आप से गठबंधन को लेकर 6 दिन पहले यानी 28 अप्रैल को दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ा था। उन्होंने तब कहा था कि पार्टी नहीं छोड़ूंगा। लवली के साथ नीरज बसोया, राजकुमार चौहान, नसीब सिंह और अमित मलिक भी भाजपा में शामिल हुए। भाजपा में शामिल होने के बाद लवली ने कहा, ''हमें भाजपा के बैनर तले और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दिल्ली की जनता के लिए लड़ने का मौका दिया गया है। मुझे पूरी उम्मीद है कि देश में प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। आने वाले दिनों में भाजपा का परचम दिल्ली में भी लहराएगा। अरविंदर सिंह लवली की भाजपा में यह दूसरी पारी है। लवली 7 साल पहले 18 अप्रैल 2017 को भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए थे। हालांकि 10 महीने बाद ही वे 17 फरवरी 2018 को वापस कांग्रेस में शामिल हो गए थे। 31 अगस्त 2023 को लवली को दिल्ली कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया था। 28 अप्रैल को मल्लिकार्जुन खड़गे को उन्होंने 4 पेज की चिट्ठी लिखकर पार्टी प्रभारी पर मनमानी करने का आरोप लगाया था।

यादव दिल्ली कांग्रेस के नए अध्यक्ष बने

लवली के इस्तीफ़े के बाद कांग्रेस ने 30 अप्रैल को देवेंद्र यादव को दिल्ली इकाई का अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया था। देवेंद्र ने लवली के भाजपा में जाने पर कहा, ''वे पहले ही इस्तीफा दे चुके थे। कुछ लोगों का स्वभाव ही पार्टी से गद्दारी करने का होता है। उनका चरित्र सामने आ चुका है। दिल्ली में लोकसभा की 7 सीटें हैं। गठबंधन के तहत इङ्घ इनमें से 4 और कांग्रेस 3 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस ने चांदनी चौक से जेपी अग्रवाल, उत्तर-पूर्वी दिल्ली से कन्हैया कुमार और उत्तर-पश्चिम दिल्ली से उदित राज को मैदान में उतारा है। दिल्ली में 25 मई को छठे फ़ेज में वोटिंग होगी। उन्होंने कहा था कि मुझे एक ब्लॉक अध्यक्ष तक नियुक्त करने का अधिकार नहीं है। इसके अलावा लवली ने इङ्घ से गठबंधन पर भी ऐतराज जताया था। लवली ने अपनी चिट्ठी में लिखा- दिल्ली कांग्रेस इकाई उस पार्टी के साथ गठबंधन के खिलाफ है, जो कांग्रेस पार्टी के खिलाफ झूठे, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के आधार पर बनी थी। इसके बावजूद पार्टी ने दिल्ली में इङ्घ के साथ गठबंधन करने का फैसला किया। 2019 लोकसभा चुनाव में दिल्ली में भाजपा ने सातों सीटों पर जीत दर्ज की थी। भाजपा के सभी उम्मीदवारों को 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस दूसरे नंबर पर और सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी तीसरे स्थान पर खिसक गई थी।

गुरुग्राम में जेजेपी को लगा बड़ा झटका

सूबे सिंह बोहरा ने पार्टी को कहा अलविदा, साथ में गए नरेश सहरावत

संजीवनी टुडे

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में जननायक जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। जेजेपी में राष्ट्रीय सचिव के पद और पार्टी से सूबे सिंह ने इस्तीफा दे दिया है। सुबे सिंह बोहरा के साथ जिला प्रवक्ता नरेश सहरावत ने भी अपने पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। एक कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने यह जानकारी दी। सूबे सिंह बोहरा जेजेपी पार्टी में पिछले काफी समय से जुड़े हुए थे। यही नहीं 2019 में जेजेपी की टिकट से सूबे सिंह बोहरा गुरूग्राम विधानसभा का भी चुनाव लड़ चुके है। वहीं सूबे सिंह बोहरा का कहना है कि, वो अपने निजी कारणों से पार्टी और पार्टी के पद से इस्तीफा दे रहें हैं। उनका कहना है कि वो एक सामाजिक कार्यकर्ता है और आगे भी समाजसेवा करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अभी तक उन्हें जो पद दिया था, उस पर रहकर पार्टी के लिए बहुत मेहनत से काम किया था लेकिन अब उन्हें ऐसा लगा कि वो इस पार्टी में आगे काम नहीं कर पाएंगे। इसलिए उन्होंने पार्टी से त्यागपत्र देने का निर्णय लिया। उनके साथ नरेश सहरावत ने भी जिला प्रवक्ता के पद से इस्तीफा दिया है। नरेश भी जेजेपी पार्टी से पिछले काफी समय से जुड़े हुए थे। इसके अलावा कहा कि वह आने वाले दिनों में सामाजिक कार्य को कर जन सेवा के कार्य ही करेंगे और फिलहाल अभी किसी भी राजनीतिक पार्टी को ज्वाइन नहीं कर रहे हैं।

प्रियंका ने मोदी को शहंशाह कहा: बोलीं

मेरे भाई को शहजादा कहते हैं, खुद महलों में बैठे; राहुल 4 हजार किमी पैदल चल चुके

संजीवनी टुडे

बनासकांठा। राहुल गांधी को शहजादा कहने का जवाब प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी को शहंशाह कहकर दिया। उन्होंने कहा, 'वे मेरे भाई को शहजादा कहते हैं, जबकि मोदी खुद शहंशाह बनकर महलों में बैठे हैं।' प्रियंका ने यह बात 4 मई, शनिवार को गुजरात के बनासकांठा में कही। प्रियंका ने कहा, 'यही शहजादा देश की बहनों, किसानों और मजदूरों की समस्याएं जानने के लिए 4 हजार किमी पैदल चल चुका है। मोदी को देखिए, उनका चेहरा देखिए, बिल्कुल साफ। साफ-सुथरे कपड़े और एक बाल तक इधर से उधर नहीं होता। वे आपकी समस्याएं कैसे समझेंगे दरअसल, मोदी 2014 से चुनावी रैलियों में राहुल को 'शहजादा' कहते हुए आ रहे हैं। ज्यादातर वे कांग्रेस पर निशाना साधने के लिए राहुल को शहजादा कहते हैं। भाजपा हमें बदनाम करती है और आज खुद दुनिया की सबसे अमीर पार्टी बन गई है। 60 हजार करोड़ में अपने दफ्तर बनवाए। कोविड के टीके पर मिले सर्टिफिकेट पर मोदी जी की फोटो थी। मोदी जी ने जिस कंपनी को कोविड के टीके बनाने का लाइसेंस दिया, उससे पार्टी ने चंदा लिया। आज इसी टीके के साइड इफ़ेक्ट की रिपोर्ट आ रही है।

मोदी जी गुजरात की जनता को भूल चुके हैं

पीएम मोदी गुजरात की जनता को अब नहीं पहचानते। अगर वह गुजरात की जनता से कटे नहीं होते, तो यहां से चुनाव क्यों नहीं लड़ रहे हैं, क्योंकि मोदी जी का आपसे जो फायदा निकलना था, उन्होंने अपना फायदा निकाल लिया। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी जी गुजरात की जनता को भूल चुके हैं। मोदी जी सबका साथ सबका विकास की बातें करते हैं, लेकिन आपमें से किसी एक का भी विकास हुआ वे बस बड़े-बड़े इवेंट करते हैं। एक बात तो मैं भी मानती हूं कि इवेंट बहुत शानदार करते हैं। उसमें कोई कमी नहीं रहती। इसमें (इवेंट में) भी सिर्फ मोदी जी ही दिखते हैं। एक समय मीडिया घ्ख्र से ढेरों सवाल पूछा करती थी, लेकिन आज सब चुप हैं। आज मीडिया में 70 करोड़ बेरोजगारों की नहीं, बल्कि मोदी जी की पोशाकों की खबरें रहती हैं। प्रधानमंत्री ने पिछले 10 सालों में सिर्फ लोगों के अधिकारों को कमजोर करने का काम किया है। उनके आसपास के लोग उनसे डरते हैं। उनके खिलाफ कोई आवाज उठाने की हिम्मत नहीं करता। कोई आवाज उठा भी दे तो उसकी आवाज दबा दी जाती है। वे संविधान को बदलना चाहते हैं यानी जो अधिकार आपको मिले हैं, उन्हें कमजोर करना चाहते हैं। जवान लोग खड़े-खड़े मर रहे हैं। चुनाव भारत में हो रहे हैं और बातें पाकिस्तान की हो रही हैं। आपको बताया जा रहा है कि कांग्रेस एक्स-रे की मशीन लाएगी। यह मशीन आपका सोना चुरा लेगी। मंगल सूत्र चुरा लेगी। आप देश के प्रधानमंत्री हैं और इतनी तर्कहीन बातें करते हैं। देश की जनता ने आपको इसलिए चुना कि दुनिया के सामने आप साफ-सुधरी बातें करें।

शाह ने माना राजस्थान में बीजेपी की सीटें कम होंगी

संजीवनी टुडे

एक-दो सीटों की हो सकती है कटौती; 400 सीटों पर बोले- नतीजे आने दीजिए

जयपुर। राजस्थान लोकसभा चुनावों में बीजेपी की हैट्रिक पर केंद्रीय गृह मंत्री और पार्टी के सबसे बड़े रणनीतिकार अमित शाह ने ही सवाल उठा दिए हैं। अमित शाह ने एक टीवी इंटरव्यू में सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया है कि राजस्थान में सीटें कम होंगी। शाह ने कहा- राजस्थान में हमारी बहुत कम कटौती एक-दो सीटों की हो सकती है। लोकसभा चुनावों के रिजल्ट से पहले शाह के इस बयान को सियासी रूप से काफी अहम माना जा रहा है। 400 सीटों के सवाल के जवाब में शाह ने कहा- आप नतीजे आने दीजिए, चौंक जाएंगे। 400 का आंकड़ा आएगा। महाराष्ट्र में भी हम 40 के आस-पास सीट जीतेंगे, 41, 40 या 42 हो जाए। यही रिजल्ट रहेगा। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक हम शत प्रतिशत रिपीट करेंगे। राजस्थान में हमारी बहुत कम कटौती एक दो सीटों की हो सकती है। उत्तर प्रदेश में हम 5 से 7 सीट की बढ़ोतरी करेंगे। उड़ीसा में 16 के आस-पास जा सकते हैं। असम में भी 12 को क्रॉस करेंगे। अमित शाह के बयान से यह साफ हो गया है कि राजस्थान में 25 सीटें जीतने की हैट्रिक नहीं लगने वाली। पार्टी के पास ऊपर तक फीडबैक है कि पूरी 25 सीटें नहीं आएगी। राजस्थान के पहले फ़ेज में जिस तरह वोटिंग गिरी। उसका नुकसान बीजेपी को हो सकता है। इस बार 25 सीटों पर 2019 के मुकाबले 4.57 प्रतिशत तक कम वोट पड़े हैं। पिछली बार 66.07 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। जो इस बार घटकर 61.57 प्रतिशत रह गई। बाड़मेर, बांसवाड़ा समेत तीन सीटों को छोड़कर किसी भी लोकसभा सीट पर 2019 से ज्यादा वोट नहीं पड़े। बीजेपी ने लोकसभा चुनावों के दौरान सात सीटों को कमजोर माना था। कमजोर मानी जाने वाली सीटों में दौसा, झुंझुनूं, बाड़मेर, चूरू, नागौर, सीकर, करौली-धौलपुर शामिल थी। पार्टी ने इन सीटों पर खूब फोकस किया था।

जयशंकर बोले-4 साल में चीन ने एलएसी पर सैनिक बढ़ाए

भारत पर दबाव बनाया, मैंने उनके विदेश मंत्री से कहा- लड़ाई-बिजनेस साथ नहीं हो सकते

संजीवनी टुडे

भुवनेश्वर। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने कहा कि पिछले 4 साल में चीन ने ख्रइए पर सैनिकों की तैनाती बढ़ाई है। उन्होंने भारत पर दबाव बनाया है। कांउटर करने के लिए भारत के भी हजारों सैनिकों वहां तैनात किए गए हैं। ओडिशा के भुवनेश्वर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा- एलएसी पर तनाव को लेकर मैंने चीन के विदेश मंत्री वांग यी से कहा था कि बॉर्डर पर लड़ाई और भारत से बिजनेस साथ-साथ नहीं हो सकते। बॉर्डर पर तनाव का असर असर दोनों देश के रिश्तों पर पड़ेगा। जयशंकर ने कहा- भारत और चीन के बीच 1962 की जंग के बाद कुछ समझौते हुए थे, लेकिन चीन ने 2020 में ख्रइए पर इसका उल्लंघन किया। चाहे पाकिस्तान का आतंकवाद का मुद्दा हो या चाहे चीन से बॉर्डर पर दबाव की बात हो, नेशनल सिक्योरिटी को लेकर मोदी सरकार कभी समझौता नहीं करेगी। उधर, नेपाल के नए 100 रुपए के नए नोट में नेपाल के मैप में भारत के 3 इलाके लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी को शामिल किया गया है। इस पर जयशंकर ने कहा- नेपाल के साथ बॉर्डर मामलों को लेकर हमारी चर्चा चल रही है।

जयशंकर- खालिस्तान समर्थकों ने कनाडा की डेमोक्रेसी का फायदा उठाया

जयशंकर ने माना की कनाडा और पाकिस्तान के साथ हमारे रिश्ते ठीक नहीं है। कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूडो ने निज्जर की हत्या केस का भारत से कनेक्शन का आरोप लगाया था। इस पर जयशंकर ने कहा- कनाडा में चुनाव होने वाले हैं। वहां निज्जर केस को लेकर जो भी हो रहा है, वह उनकी इंटरनल पॉलिटिक्स का हिस्सा है। अगर निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होता, तो उन्होंने हमें अभी तक कोई सबूत क्यों नहीं दिए। वहां की पुलिस एजेंसियां भी हमारे साथ सहयोग नहीं करती हैं। भारत पर आरोप लगाना उनकी राजनीतिक मजबूरी है। खालिस्तान समर्थक कुछ लोगों ने कनाडा की डेमोक्रेसी का फायदा उठाया है। उन्होंने एक लॉबी बनाई और वोट बैंक बन गए। खालिस्तान समर्थक कनाडा, भारत और दोनों देश के रिश्तों के लिए खतरा बन रहे हैं। उन्हें वीजा और पॉलिटिकल स्पेस देने के लिए हमने मना किया था, लेकिन कनाडा ने हमारी नहीं सुनी। इस बीच नेपाल का यह कदम एकतरफा है। इससे दोनों देशों के बीच की स्थिति पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

खबरें फटाफट

डॉ. अरूणा शर्मा '' यूनिवर्सल ह्यूमन राइट्स काउंसिल '' के महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त

संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान के मूल निवासी डॉ.अरूणा शर्मा को मानव समाज के प्रति आपकी जनसेवा की भावना, पर्यावरण के प्रति जन चेतना, राष्ट्र के प्रति देशभक्ति, निष्ठा, ईमानदारी के साथ आपकी सक्रियता व बेहतर कार्य को देखते हुए यूनिवर्सल ह्यूमन राइट्स काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ तरुण बांकोलिया ने डॉ.अरूणा शर्मा को नियुक्ति पत्र जारी कर परिचय पत्र सौपा गया। जिसमें यूनिवर्सल ह्यूमन राइट्स काउंसिल के महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.अरूणा शर्मा को नियुक्त किया है। डॉ तरुण बांकोलिया ने बताया कि आमजन के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु एवं अपराधों को रोकने के साथ-साथ जनता की समस्याओं को शासन प्रशासन तक पहुंचने के उद्देश्य से काउंसिल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ आर पी चंद्र आईएएस रिटायर्ड, ओ.पी.लांग्यान आईएएस रिटायर्ड, श्रीराम ब्याडवाल शिक्षाविद, महासचिव डॉ इलियास अहमद व समस्त कार्यकारिणी ने विचार करने के बाद डॉ.अरूणा शर्मा को तत्काल प्रभाव से महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नियुक्त करने का फैसला किया है। डॉ.अरूणा शर्मा ने अपनी नियुक्ति पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. तरुण बांकोलिया एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी व प्रदेश कार्यकारिणी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा मुझे जो जिम्मेदारी सौंप गई है, इस जिम्मेदारी को पूर्ण निष्ठा व लगन के साथ बखूबी से निभाऊंगी।

गर्मी के मौसम को देखते हुए पक्षियों के लिए लगाए परिंडे

संजीवनी टुडे

राजगढ़ । जन सेवा और विचार कार्य के कड़ी को आगे बढ़ते हुए आज राष्ट्रीय जन सेवा टीम ने सबसे पहले डीएसपी ऑफिस में डीएसपी सुश्री मनीषा मीना द्वारा परिंडे लगवाएं । तत्पश्चात सभी टीम सदस्य मीन भगवान मंदिर भजेड़ा गए वहां मंदिर के महंत बाबा श्री कमल से परिंडे लगवाए गए। इस जन सेवा विचार कार्यों में टीम की ओर से उप जिला कलेक्टर लालसोट नरेंद्र कुमार मीणा, सीमा सेहरा , ललित फिरोजपुर , सुरेन्द्र सेक्रेटरी कुडरोली , सौरव गोपालिया , विक्रम सैनी आदि सदस्यों ने कार्यक्रमों को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ

संजीवनी टुडे

बीकानेर। संभाग के सबसे बड़े अस्पताल पीबीएम में शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह के पुत्र तथा राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष धनंजय सिंह खींवसर के 38 वे जन्मदिन पर श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के तत्वावधान में पीबीएम के ब्लड बैंक में आयोजित हुए इस शिविर में स्वर्णकार समाज के साथ साथ अनेकों रक्तदाताओं ने अपना स्वैच्छिक रक्तदान किया। कार्यक्रम के संयोजक श्रवण कुकरा ने बताया कि सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ गुंजन सोनी तथा जयपुर के संजय जैन की प्रेरणा एवं स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष मनीष लाम्बा के नेतृत्व में हुए इस शिविर में ब्लड बैंक सुपरवाइजर बजरंग कुमार सोनी, डॉ एन एल महावर, डॉ अरुण भारती, डॉ कुलदीप मेहरा, डॉ कालूराम, डॉ विकास आदि ने अपनी चिकित्सकीय सेवाएं दीं। शिविर में पुरुषों के साथ साथ बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी भाग लिया। राजू तोषावड़, सुभाष जोड़ा, नंदकिशोर कड़ेल,धर्मचंद डांवर, श्रवण डांवर, पवन व भवानी आदि ने पूरे शिविर की व्यवस्थाओं को संभालते हुए सहयोग किया।

धनंजय सिंह खींवसर के जन्मदिन पर रक्तदान

संजीवनी टुडे

बीकानेर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के पुत्र धनंजय सिंह खींवसर के जन्मदिन पर शनिवार को सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध रक्त केंद्र में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज ब्लड वॉरियर्स की टीम व महिलाओं सहित 52 युवाओं ने रक्तदान के महायज्ञ में एक-एक यूनिट रक्त की आहूति जरूरतमंदों के लिए दी। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ.गुंजन सोनी, श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष मनीश सोनी, श्री युवा स्वर्णकार संस्था के जिलाध्यक्ष श्रवण कूकरा, जयपुर के संजय जैन व रक्त बैंक के सुपर वाइजर बजरंग सोनी की प्रेरणा से युवाओं ने परमात्मा व मानव सेवा के संकल्प का स्मरण करते हुए रक्तदान किया।

सीमावर्ती गांवों की जिला मुख्यालय से जोड़ने वाली सड़क धनाऊ से बिसारनिया, लखवारा फांटा

राणीगांव तक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त होने के कारण वाहन चालकों को हो रही काफी समस्याएं, आठ किलोमीटर का सफर तीस मिनट लगते है।

संजीवनी टुडे

धनाऊ। सीमावर्ती धनाऊ तहसील मुख्यालय से तथा दर्जनों भर गांवों को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाली धनाऊ से बिसारनिया,लखवारा फांटा, राणीगांव तक सड़क जगह जगह पर टूटकर सड़क नाम मात्र की रह गई है इसको लेकर कई आमजन, समाजसेवी, नेतागण ने विधायक को अवगत करवा दिया उसके बाद विधायक पदमाराम मेघवाल ने इस सड़क का 2023 के बजट में प्रस्ताव मंजूर करवा दिया। इस बजट घोषणा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस सड़क पर चलने वालें वाहन चालकों को राहत पहुँचाने के किये 54 लाख की बजट घोषणा की उसके बावजूद भी इस सड़क का न टेंडर हुआ न ही सर्वे हुआ 2023 के बजट घोषणा में इस सड़क का नाममात्र ही मंजूर मिली मौके पर सड़क नाम ही रह गई इसको देखते हुए आमजन में रोष देखने को मिल रहा है। काफी राहगीरों को इन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लंबी दूरी के सड़क होने के बावजूद भी प्रशासन व सरकार इस सड़क का पुनः निर्माण को लेकर बिल्कुक भी चिंतित नही है।आये दिन वाहन भी हादसे का शिकार हो रहे है तथा वाहन चालकों सहित उस रुट से आने वाले सैकड़ों लोगों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।ज्ञातव्य रहे दर्जनों सीमावर्ती गांवों के सैकड़ों लोगों को जिला मुख्यालय आपातकालीन अस्पताल के लिए या किसी अन्य राजकीय कार्यों के लिए धनाऊ से राणीगांव होते हुए सीधे इस सड़क से बाड़मेर आना जाना रहता है। इस दूरी मिजाज को देखते हुए चौहटन जाकर बाड़मेर आने के हिसाब से यह सड़क किलोमीटर का फासला कम कर देती है,जिससे लोगों को आर्थिक नुकसानों का सामना नही करना पड़ता है,तथा समय की भी काफी बचत होती है।लेकिन पिछले कई वर्षों से इस सड़क की स्थिति गंभीर

हो गई है। धनाउ से बिसारनिया,लखवारा फांटा, तक यह सड़क पूरी तरीके से क्षतिग्रस्त होकर सड़क नाम की रह गई है। कही जगहों पर डामर का नामोनिशान भी नही है,तथा जगह जगह पर बड़े बड़े गड्ढे हो गए है जो कि एक बड़े हादसे की आशंका दे रहे है। सरकार व प्रशासन की इतनी बड़ी लापरवाही पिछले कई वर्षों से यह सड़क क्षतिग्रस्त होकर पत्थरों में बदल गई है। वाहन चालकों तथा ग्रमीणों को काफी गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस सड़क का के पुनः निर्माण को लेकर ग्रामीणों द्वारा कई बार सरकार व प्रशाशन व स्थानीय प्रतिनिधियों को अवगत करवाया गया फिर भी इस पर किसी भी प्रकार का सरकार व प्रशाशन का ध्यान नही आया,सरकार को इतनी बड़ी लापरवाही की भुगतान के लिए ग्रामीणों खामियाजा भुगतने के लिए चेतावनी दे दी है। इस सड़क का आवगमन धनाऊ के सीमावर्ती गांवों को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाली यह सड़क धनाऊ से लखवारा फांटा, धनाऊ से बिसारनिया तक पूरी तरीके से करकट बिखरे हुए पड़े है।अचानक कोई बीमार पड़ जाए या अन्य कोई राजकीय, निजी, आपदा कार्य पड़ने पर लोगों को बॉर्डर क्षेत्र से बाड़मेर पहुँचने में काफी समय लगता है। पहले लोग धनाऊ से राणीगांव वाली इस सड़क के क्षतिग्रस्त होने के कारण ग्रामीणों को धनाऊ से अब चौहटन से बाड़मेर जाना पड़ता है, जिससे आर्थिक नुकसान के साथ साथ अपना समय भी अंधेरे में धकेलना पड़ रहा है।

इनका कहना है-

अर्जुनसिंह राठौड़ चामुंडा सेना प्रदेश मंत्री

पिछले कई वर्षों से यह सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण बड़े बड़े गड्ढे हो गए है व वही बड़े बड़े आकार के पत्थर निकल आये है अब डामर सड़क नाममात्र रह गई है,टायर पंचर हो जाते है ,वही कही बार इस सड़क पर बालिकाएं अपनी सरकार द्वारा दी गई निशुल्क साइकिलें विद्यालय जाते समय कही बार पंचर होने से व कही बार बड़े गड्ढे में जाने के कारण गंभीर चोटें भी आती है,वाहन चालकों,ग्रामीणों सहित आमजन को काफी भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

राज्य सरकार की विविध योजनाओं के लाभार्थियों को भौतिक सत्यापन करवाने का नगर पालिका प्रशासन ने किया आव्हान

संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा/सिरोही। नगर पालिका क्षैत्र में राज्य सरकार की विविध लाभकारी योजनाओं के लाभान्वितों को आगामी दस दिनों के भीतर अपना भौतिक सत्यापन करना जरूरी है, जिसे लेकर पालिका द्वारा शहर भर में सभी को भोपू प्रचार के माध्यम से आगाह करते हुए आहृवान किया है। उपखण्ड अधिकारी रवि प्रकाश ने निर्देशानुसार नगर पालिका अधिशासी अधिकारी ललीत सिंह दैथा के नेतृत्व में शहर में सरकार की जन कल्याण कारी की योजनाओं की आमजन को जानकारी मुहैया करवाने वाले सुचना प्रभारी अर्जुन कुमार दवें ने बताया है कि राज्य सरकार के द्वारा दी जा रही विविध जनकल्याणकारी योजना जिसमें वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, परित्यक्ता पेंशन जिन लाभार्थियों ने अभी तक अपना भौतिक सत्यापन नहीं करवाया है अथवा जो शेष रहे वे सभी पेंशनर 10 दिन के अंदर अपने नजदीकी ई-मित्र पर जाकर फिंगरप्रिंट लगाकर अपना भौतिक सत्यापन

करावे अन्यथा आपकी पेंशन बंद हो सकती है। जिस पेंशनर की मृत्यु हो गई है उसका मृत्यु प्रमाण पत्र पालिका में आकर जमा करावे ताकि उनकी सूचना उपखंड कार्यालय को दी जा सके। साथ ही दवें ने बताया कि वृद्धावस्था होने से आपका ई-मित्र पर फिंगरप्रिंट नहीं आता हो उन लाभान्वित पेंशनरो को अपना पेंशन पीपीओ, जन आधार कार्ड, बैंक खाता, आधार कार्ड यह सभी दस्तावेज 10 दिन में पालिका में आकर जमा करावाना होगा। नगर पालिका के सभी पार्षद जनप्रतिनिधियो से भी अनुरोध किया गया है कि वें अपने अपने वार्ड में कोई सत्यापन से शेष रहे हो उन्हें सूचना देकर जन सहयोग में मदद कराने हेतू आहृवान किया है।

एमिटी यूनिवर्सिटी ने किया 'हस्ताक्षर' राष्ट्रीय मीडिया और एनीमेशन फ़ेस्टिवल का आयोजन

संजीवनी टुडे

जयपुर। एमिटी स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन, एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान (एयूआर) ने राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फ़ेस्टिवल द्वारा समर्थित दो दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया और एनीमेशन फ़ेस्टिवल, 'हस्ताक्षर' का आयोजन किया। दो दिवसीय कार्यक्रम के तत्वधान में राजस्थान अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव द्वारा समर्थित फिक्शन और नॉन-फिक्शन फिल्म, एनीमेशन फिल्म फ़ेस्टिवल सहित 17 से अधिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कैनन लाइट पेंटिंग- फोटोग्राफी वर्कशॉप, सन डाउनर्स कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहे। इस आयोजन में तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़ और राजस्थान सहित देश भर से 260 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। कार्यक्रम का आरम्भ प्रो. (डॉ.) अमित जैन माननीय कुलपति, एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान के उद्घाटन भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम रचनात्मकता, नवीनता और प्रतिभा का उत्सव हैं । उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए प्रो. जी.के.

असेरी, माननीय प्रो वाइस चांसलर एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम क्लासरूम और प्रैक्टिकल लर्निंग के अंतर को ख़त्म करती हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. सुधि राजीव, कुलपति, हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर और विशिष्ट अतिथि सोमेंद्र हर्ष, निदेशक, राजस्थान अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फ़ेस्टिवल उपस्थित हुए । प्रसिद्ध रेडियो आरजे शिवांगी और एफएम तड़का के आरजे सूफी का भी स्वागत किया गया। प्रो. सुधी राजीव ने रचनात्मकता को बढ़ावा देने और छात्रों को मीडिया और एनीमेशन में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान करने के लिए यूनिवर्सिटी के समर्पण की सराहना की। सोमेंद्र हर्ष ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा की युवाओं में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने का ये उत्तम मंच हैं और राजस्थान अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव और एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान के बीच भविष्य की परियोजनाओं में सहियोग का प्रस्ताव भी रखा।

विधायक सेवा केंद्र का चार दिवसीय नगर स्थापना दिवस समारोह

संजीवनी टुडे

धरणीधर मैदान में उड़ाएंगे चंदा, बारहगुवाड़ में कवि पेश करेंगे कविताएं

बीकानेर। बीकानेर (पश्चिम) विधायक सेवा केंद्र द्वारा आयोजित होने वाले चार दिवसीय नगर स्थापना दिवस कार्यक्रमों को शनिवार को अंतिम रूप दिया गया। बीकानेर (पश्चिम) विधायक श्री जेठानंद व्यास ने बताया कि कार्यक्रमों की शुरुआत 6 मई को धरणीधर मैदान में चंदा महोत्सव के साथ होगी। इस दिन सायं 6 बजे शहर वासी विभिन्न संदेशपरक चंदे उड़ाकर स्थापना दिवस की खुशियां मनाएंगे। इस कार्यक्रम के प्रभारी संस्कृति कर्मी पवन व्यास होंगे। इस दौरान सभी लोग चाईनीज मांझे का उपयोग नहीं करने की शपथ भी लेंगे। विधायक व्यास ने बताया कि दूसरे दिन सात मई को बारह गुवाड़ में सायं 7 बजे से कवि सम्मेलन होगा। इसके प्रभारी आशु कवि बाबू लाल छंगाणी होंगे। इसके लिए शहरी क्षेत्र के 15 कवियों को आमंत्रित किया गया है। यह कवि हास्य कविताओं के माध्यम से विभिन्न संदेश देंगे। विधायक व्यास ने बताया कि तीसरे दिन 8 मई को नगर स्थापना दिवस की पूर्व संध्या

पर जस्सूसर गेट के अंदर मुख्य कार्यक्रम होगा। जहां बड़ी संख्या में दीपक जलाए जाएंगे। वहीं उन्होंने शहरी क्षेत्र की विभिन्न संस्थाओं और मोहल्ला कमेटियों का आह्वान किया है कि उनके द्वारा प्रत्येक चौक और मोहल्ले में दीप जलाए जाएं, जिससे कि शहरी क्षेत्र में स्थापना दिवस को उत्सव की तरह मनाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस दिन शहर के प्रत्येक घर में भी दीप जलाएं और स्थापना दिवस को विशेष तरीके से मनाएं। विधायक ने बताया कि इस कार्यक्रम के प्रभारी राजकुमार किराडू होंगे। इसके लिए विभिन्न संस्थाओं से भी संपर्क किया जाएगा। विधायक ने बताया कि कार्यक्रमों की श्रंखला में आखा बीज के दिन 9 मई को 'मेरी मातृभूमि मेरी जिम्मेदारी' अभियान की शुरुआत होगी। इसके लिए प्रातः 10.15 बजे वैदिक मंत्रोच्चार और शंख एवं अन्य मांगलिक वाद्य यंत्रों की सुमधुर स्वर लहरियों के बीच लक्ष्मी नाथ मंदिर स्थित गढ़ गणेश मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। इस दौरान शहर के मौजीज लोग मौजूद रहेंगे और 'मेरी मातृभूमि मेरी जिम्मेदारी' अभियान के 'लोगो' का विमोचन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. चंद्र शेखर श्रीमाली होंगे।

एसकेआईटी बना प्रदेश का पहला ऑटोनॉमस आरटीयू एफिलिएटिड संस्थान, अब कॉलेज स्वयं करेगा अपने सिलेबस तैयार

संजीवनी टुडे

जयपुर। वर्तमान में इंडस्ट्री रेडी स्टूडेंट मार्केट की मांग है, अब इंडस्ट्री ट्रेनिंग में खर्च करने से गुरेज कर रही है। ये कहना है राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी (आरटीयू) के वाइस चांसलर प्रो. एस के सिंह का। वे शनिवार को स्वामी केशवानन्द इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नॉलजी, मैनेजमैंट एवं ग्रामोथान (एसकेआईटी) में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। कांफ्रेंस का आयोजन एसकेआईटी के प्रदेश का पहला ऑटोनॉमस इंजीनियरिंग शिक्षण संस्थान बनने के उपलक्ष में किया गया था। इसके साथ आरटीयू से संबद्ध एसकेआईटी प्रदेष का ऐसा पहला कॉलेज बन गया है, जिसे यह ऑटोनॉमस एफिलिएसन मिला है। यूजीसी की ओर से एसकेआईटी को पिछले माह 24 अप्रेल को ऑटोनॉमस की मान्यता दी गई थी, जिस पर 2 मई को आरटीयू ने अधिकारिक रूप से मोहर लगा दी। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान वाइस चांसलर प्रो. एस के सिंह ने कहा कि कॉलेज की नेक ग्रेड, एनबीए एक्रेडिटेशन, लगातार 7 सालो से आरटीयू क्यूआइवी मे पहले स्थान पर रहने के साथ- साथ ही बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर समेत इंजीनियरिंग के लिए आवश्यक तमाम सुविधाओ से लबरेज होने के कारण कॉलेज को यूजीसी एवं आरटीयू से यह मान्यता मिली है। उन्होंने बताया कि इस एफिलिएषन के बाद कोर्स डिजायन

संस्थान के द्वारा किया जाएगा और डिग्री आरटीयू के द्वारा ही दी जाएगी। ऑटोनॉमस मान्यता की जानकारी सांझा करने के लिए अयोजित प्रेस वार्ता को आरटीयू के वाइस चांसलर प्रो. एस के सिंह, कॉलेज के चेयरमैन सूरजाराम मील, निदेशक जयपाल मील, प्रिंसिपल रमेश कुमार पचार ने संबोधित किया।

10 वर्षो के लिए मिली मान्यता

यूजीसी एवं आरटीयू की ओर से एसकेआईटी को ऑटोनॉमस की यह मान्यता 10 वर्षों के लिए दी गई है, जो की 2024-25 से 2033-34 तक रहेगी। इस दौरान संस्थान अपने कोर्सेज के लिए स्वयं सिलेबस डिजाइन करेगा। चेयरमैन सूरजाराम मील ने बताया कि ऑटोनॉमस मान्यता प्राप्त होने के बाद स्टूडेंट्स के लिए ग्लोबल पैरामीटर पर आधारित सिलेबस तैयार किया जा सकेगा, जिससे वे विभिन्न स्तर पर बेहतर परफॉर्म कर सकेंगे एवम सेमेस्टर लॉन्ग इंडस्ट्री इंटर्नशिप पर भी जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इससे स्टूडेंट्स के सभी पाठ्यक्रम एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार तय समय पर जारी हो सकेंगे और रिजल्ट भी तय समय पर जारी हो सकेगा। निदेशक जयपाल मील ने बताया कि यह पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है, कि राजधानी के किसी कॉलेज को यह मान्यता मिली है।

मिशन स्व . लखन मीना खोहरा के पीड़ित परिवार का सहारा बना सोशल मीडिया

संजीवनी टुडे

लक्ष्मणगढ़ । तहसील के खोहरा गांव में स्व. लखन मीना उम्र 20 वर्ष का कैंसर जैसी घातक बीमारी से निधन हो गया था। वहीं इस पीड़ित परिवार का एकमात्र सहारा थे अब उस पीड़ित परिवार में उसकी विधवा पत्नी और एक वर्षीय अबोध बच्चा और एक गर्भ में हैं। उनकी नाजुक हालत को देखते हुए गांववासियों ने सोशल मीडिया पर एक सहायता मिशन चलाया जिसमें सर्व समाज नवयुवक हेल्प टीम के साथ- साथ श्री प्रयागदास श्रम सेवा मण्डल खोहरा, राष्ट्रीय जन सेवा टीम, ग्रामवासियों तथा सर्व समाज के बंधुओ ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। समर्थ मीना पशु पालन विभाग व गणधारी राम थानेदार अध्यक्ष ने बताया कि इस मिशन में 5100रू मुकेश जांगिड़, 5100 रू रामनिवास मीणा खोहरा, 5100रू जगराम मीणा जेईन और 11101रू वीरसिंह मीणा सांथा(पीड़िता का भाई) आदि के उच्चतम सहयोग के साथ कुल सहयोग राशी 137567 रुपए

रही। जो 04 मई 2024 को मृतक की धर्मपत्नी सागर देवी को सौंपी गई। इस मिशन में मिट्ठन खोड़ा संयोजक, सुखदेवा मास्टर करनावर, नरसी रेलवे जगसोली, राकेश डेयरी, सीताराम आसन, महेश चांदेरा, जितेंद्र व हंसीराम प्रजापत, अजय महर,हंसराज कांदोली, ललित फिरोजपुर,सुरेंद्र व बिजेंद्र कुंडरौली, रामसिंह टहटडा, जैयन मीना,मानसिंह सरपंच सांथा, नरेश सांथा, फूल सिंह मीणा सांथा, रामसिंह सांथा,रामनिवास मीना जेवीवीएनएल, राजेश मीना अध्यापक, राजेंद्र मीना लोको पायलट, समर्थ मीना पशु पालन विभाग,जितेन्द्र मीना, योगेश मीना, मानसिंह मीना,सन्तोष मीना, मुकेश मीना खौहरा, बबलेश मीना, वीरसिंह सांथा, बलराम मीना खोहरा व उपस्थित सदस्यों ने ग्रामवासियों के साथ सक्रिय भूमिका निभाई।मिशन समापन के अवसर पर पप्पू मेवाल, समर्थ मीना पशु पालन विभाग,दीप चन्द पाराशर,कपिल मीना गढ़ बास,अर्जुन मीना आदि ग्रामवासी उपस्थित रहे।

पिण्डवाडा पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

पिकअप गाड़ी पर राजस्थान सरकार पशुपालन विभाग लिखा हुआ बंद पिकअप गाड़ी में परिवहन करते हुए भारी मात्रा में अवैध डोडा- पोस्त जप्त किए

संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा/सिरोही। सिरोही जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निर्देशानुसार जिले भर में चलाए जा रहे अवैध मादक पर्दाथो की धरपकड अभियान के तहत पिण्डवाडा पुलिस ने कार्यवाही को अंजाम देते हुए एक पशुपालन विभाग के वाहन में भरे हुए भारी मात्रा में डोडा-पोस्त को जब्त करते हुए तीन आरोपीयों को भी गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार सिरोही जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निर्देशानुसार पिण्डवाडा वृत पुलिस उप अधीक्षक भवंर लाल चौधरी के सुपर विजन एवं पिंण्डवाड़ा थाना अधिकारी हमीरसिंह भाटी के नेतृत्व में मोरस चौकी प्रभारी उप निरीक्षक पन्नालाल के कुशलतम नेतृत्व में चौकी के निकट से पिण्डवाडा-उदयपुर हाईवे से गुजर रही एक बंद पिकअप जिस पर राजस्थान सरकार पशुपालन विभाग लिखा हुआ,जिसमें भारी मात्रा

में अवैध डोडा-पोस्ट भरा हुआ था। वही उक्त पिकअप वाहन के आगे एक अन्य वाहन एस्कॉर्ट कर रही थी। मोरस चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर पन्नालाल मय जाप्ता द्वारा गश्ती कार्यक्रम के दरयान संदेह होने पर पीछा करते हुए न सिर्फ कार्रवाई को अंजाम दिया बल्कि भारी मात्रा में भरे हुए डोडा-पोस्त सहित

पीकअप वाहन, एवं एस्कॉर्ट कर रहे अन्य वाहन सहित तीन आरोपीयों को हिरासत में लिया है। समाचार लिखे जाने तक उक्त मामले में फिलहाल अनुसंधानत्मक कार्रवाही की जा रही थी। वही पीकअप वाहन से अनुमानित तौर पर छः सौ किलो से अधिक डोडा-पोस्त बरामद होना बताया जा रहा है।

खबरें फटाफट

सेन जयंती महोत्सव समारोह आयोजित

संजीवनी टुडे

केदारिया। सेन जयंती महोत्सव केदारिया चौंखला के सेन समाज सेवा समिति केदारिया एवं सेन समाज नवयुवक मंडल के तत्वाधान में अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है सेन समाज नवयुवक मंडल के अध्यक्ष नवीन सेन ने बताया कि सेन जयंती महोत्सव के सुअवसर पर रात्रि में भव्य भजन संध्या एक शाम सेन जी महाराज के नाम रखी गई है एवं 5 मई रविवार को सुबह सेन जी महाराज को विशेष वाघा धारण करवा कर हवन किया जायेगा एवं सेन जी महाराज की शोभायात्रा एवं कलश यात्रा निकली जाएगी तथा समाज के भामाशाह एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान इस समारोह में किया जाएगा तत्पश्चात महाप्रसादी का आयोजन होगा कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाएं अलग अलग भामाशाहों द्वारा की गई है

दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

जमवारामगढ़। जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण शांतनु कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया की महिला अत्याचार सबंधी मुकदमों के निस्तारण के आदेश पर डा. हरिप्रसाद सोमानी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय जिला जयपुर ग्रामीण के निकट सुपरविजन में प्रदीप गोयल सी ओ वृत्त जमवारामगढ़ के नेतृत्व में हरदयाल मीणा उप निरीक्षक एवं थानाधिकारी पुलिस थाना जमवारामगढ़ के नेतृत्व में टीम गठित कर दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी दिनेश पुत्र रामकरण निवासी सांऊ सीरा थाना जमवारामगढ़ को गिरफ्तार किया गया।

फतहनगर में दिन दहाड़े उच्चके महिला की नथ झपट कर ले गए,कोई एक्शन ले पाता उससे पहले ही बाइक पर सवार हो भाग लिए

संजीवनी टुडे

फतहनगर। शनिवार को दोपहर बाद राजकीय चिकित्सालय के बाहर एक महिला की नथ झपट कर दो बाइक सवार उच्चके गायब हो गए। वारदात इतनी तेजी से घटी कि कोई कुछ समझ पाता उससे पहले ही उच्चके बाइक पर सवार होकर गायब हो गए। घटनास्थल का इलाका दिनभर व्यस्त रहता है तथा जिस दुकान पर महिला श्रृंगार सामग्री खरीदने के लिए गयी थी वहां हर समय भीड़ भाड़ रहती है लेकिन उच्चकों ने मौका देखते ही वारदात को अंजाम दे दिया। घटना दोपहर बाद साढ़े तीन बजे की है। चंगेड़ी पंचायत के दूधालिया गांव निवासी श्रीमती प्रतापीबाई यों तो मवेशियों के लिए ज्वार लेने को बाजार आई थी लेकिन उसके साथ की बालिका को श्रृंगार सामग्री दिलवाने के लिए अस्पताल के गेट के ठीक बाहर दुकान पर सामग्री दिलवाकर पैसे दे ही रही थी कि अचानक दो बाइक सवार जो अपना मुंह रूमाल से ढके हुए थे आए तथा प्रतापी की नथ झपट कर बाइक से भाग छूटे। आस पास के लोग कुछ समझ पाते उससे पहले ही बाइक सवार उच्चके ओझल हो गए। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची तथा जानकारी जुटाने की कोशिश की।

रोडवेज कार्मिकों के लिए चिकित्सा विभाग ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

संजीवनी टुडे

भीलवाड़ा। रोडवेज बस स्टैंड पर राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए शुक्रवार तथा शनिवार को चिकित्सा विभाग की ओर से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। सीएमएचओ डॉ सीपी गोस्वामी ने बताया की इस दौरान सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की एनसीडी स्क्रीनिंग, एचआईवी स्क्रीनिंग, नेत्र परीक्षण किया गया। सामान्य दवा वितरण के साथ सभी की आभा आईडी बनाई गई। राजस्थान परिवहन निगम कार्मिकों को ओआरएस पैकेट आमजन की सुविधा के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध करवाए गए। उन्होंने बताया कि यह शिविर रविवार को भी जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने बताया कि रविवार को शिवाजी पार्क में प्रातः 07 बजे से आमजन के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा।

प्रदेश में बाल विवाह की मौजूदा स्थिति को 'चिंताजनक' बताते हुए, इसकी रोकथाम के लिये समुदाय के स्तर पर समन्वित प्रयासों की महती आवश्यकता है: अरुण कुमावत

संजीवनी टुडे

उदयपुर। प्रदेश में बाल विवाह की मौजूदा स्थिति को 'चिंताजनक' बताते हुए राजस्थान हाई कोर्ट ने फौरी आदेश जारी कर राज्य सरकार से कहा है, कि वह अक्षय तृतीया के मद्देनजर यह सुनिश्चित करे कि कहीं भी बाल विवाह नहीं होने पाए। साथ ही आदेश में कहा गया है कि बाल विवाह को रोकने में विफलता पर पंचों-सरपंचों को जवाबदेह ठहराया जाएगा । राजस्थान उच्च न्यायलय का यह फौरी आदेश ह्लजस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंसङ्क और अन्य की जनहित याचिका पर आया है। इन संगठनों ने अपनी याचिका में इस वर्ष 10 मई को अक्षय तृतीया के मौके पर बड़े पैमाने पर होने वाले बाल विवाहों को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी । ह्लजस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंसङ्क के सहयोगी संगठन नवाचार संस्थान पहले से ही भीलवाडा और चित्तोगढ़ जिले में बाल विवाह के खिलाफ मजबूती से अभियान चलाते हुए यह सुनिश्चित करने में लगा है, कि अक्षय तृतीया के दौरान जिले में कोई बाल विवाह नहीं होने पाए। राजस्थान उच्च न्यायलय के इस फैसले से इन प्रयासों को और बल मिलेगा। याचियों द्वारा बंद लिफाफे में सौंपी गई, अक्षय तृतीया के दिन होने वाले 54 बाल विवाहों की सूची पर गौर करने के बाद न्यायमूर्ति शुभा मेहता और पंकज भंडारी की खंडपीठ ने राज्य सरकार को इन विवाहों पर रोक लगाने के लिए 'बेहद कड़ी नजर' रखने को कहा है । यद्यपि इस सूची में शामिल नामों में कुछ विवाह पहले ही संपन्न हो चुके हैं, लेकिन 46 विवाह अभी होने बाकी हैं।

खंडपीठ ने कहा, ह्लसभी बाल विवाह निषेध अफसरों से इस बात की रिपोर्ट मंगाई जानी चाहिए कि उनके अधिकार क्षेत्र में कितने बाल विवाह हुए और इनकी रोकथाम के लिए क्या प्रयास किए गए।ङ्क आदेश में यह भी कहा गया कि राज्य सरकार

सुनिश्चित करे कि सूची में शामिल जिन 46 बच्चों के विवाह होने हैं, वे नहीं होने पाएं।खंडपीठ ने यद्यपि इस बात का संज्ञान लिया कि राज्य सरकार के प्रयासों से बाल विवाहों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है, फिर भी काफी कुछ किया जाना बाकी है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (2019-21) के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में 20-24 आयु वर्ग की 25.4 प्रतिशत लड़कियों का विवाह उनके 18 साल की होने से पहले ही हो गया था म जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह आंकड़ा 23.3 प्रतिशत है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंसङ्क के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा, ह्लबाल विवाह वह घृणित अपराध है जो सर्वत्र व्याप्त है और जिसकी हमारे समाज में स्वीकार्यता है। बाल विवाह के मामलों की जानकारी देने के लिए पंचों व सरपंचों की जवाबदेही तय करने का राजस्थान हाई कोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है। बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम पूरी दुनिया के लिए एक सबक हैं, और राजस्थान उच्च न्यायलय का यह फैसला इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।ङ्क ह्लजस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंसङ्क पांच गैर सरकारी संगठनों का एक गठबंधन है, जिसके साथ देश के 120 से भी ज्यादा गैर सरकारी संगठन सहयोगी के तौर पर जुड़े हुए हैं, जो पूरे देश में बाल विवाह, बाल यौन शोषण और बाल दुर्व्यापार जैसे बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर काम कर रहे हैं। नवाचार संस्थान के सचिव एवं नेशनल यूथ अवार्डी अरुण कुमावत ने कहा, ह्लबाल विवाह के खिलाफ लड़ाई बहुआयामी है, और समाज के सभी स्तरों पर कार्रवाई की आवश्यकता है। यह ऐतिहासिक फैसला हमारी इस जंग में एक अहम मील का पत्थर है । पंचों व सरपंचों को जवाबदेह ठहराने से बाल विवाह के कई रास्ते बंद हो जाएंगे, जिससे राजस्थान में बाल विवाह की रोकथाम के हमारे प्रयासों को बल एवं सहायता मिलेगी।ङ्क माननीय राजस्थान उच्च न्यायलय का यह आदेश ऐसे समय आया है, जब अक्षय तृतीया के मौके पर बाल विवाह के मामलों में खासी बढ़ोतरी देखने को मिलती है और जिसे रोकने के लिए सरकार के साथ जमीनी स्तर पर काम कर रहे तमाम गैर सरकारी संगठन हरसंभव प्रयास कर रहे हैं।

जनजाति मंत्री खराड़ी को जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हो : चौहान

संजीवनी टुडे

उदयपुर।राजस्थान सरकार के जनजाति मंत्री बाबू लाल खराड़ी को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग और अराजक तत्वों के तंत्र को जिले में निष्प्रभावी कर कठोर कार्यवाही को लेकर भाजपा उदयपुर देहात के जिला मुख्यालय समेत सभी उपखंड और मंडल मुख्यालयों पर ज्ञापन सोपा गया । जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर जोशी ने जानकारी देते हुए बताया की जिला मुख्यालय पर जिलाध्यक्ष डा चंद्रगुप्त सिंह चौहान के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल एवं जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल को ज्ञापन सोप आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की । जिलाध्यक्ष डा चंद्रगुप्त सिंह चौहान ने कहा की सुदूर जनजाति बाहुल्य के एक साधारण से आदिवासी परिवार के व्यक्ति को भाजपा ने मंत्री बनाया हे । बाबू लाल खराड़ी ने विधायक रहते हुए और अब मंत्री बनने के बाद जनजाति क्षेत्र ओर जनजाति वर्ग के विकास कल्याण हेतु दिन रात एक किया हुआ हे । खराड़ी गांव गांव ढाणी ढाणी लगातार घूम घूम कर आदिवासियों की सुध ले रहे है। यह बात कुछ समाजकंटको, सामाजिक समरसता बिगाड़ने वाली विचारधारा के लोगो को

रास नहीं आ रही इसलिए ये लोग अब ओछी हरकतों पर उतर आए हे जन मानस में भय,भ्रम और आतंक का वातावरण बना रहे है ऐसे विखंडकारी अराजक तत्वों को प्रतिबंधित करना और इनके खिलाफ ठोस एक्शन लेना जरूरी है । इस अवसर पर देहात जिला महामंत्री दीपक शर्मा,जिला उपाध्यक्ष राम कृपा शर्मा,जिला उप प्रमुख पुष्कर तेली, आकाश वागरेचा, ,अशोक सिंघवी, मनोज जोशी,भवानी शंकर पुजारी, प्रदीप रावानी, अशोक मालवीय, गोपाल पालीवाल, महेंद्र नागदा, दिनेश गुप्ता, प्रेमसिंह पंवार, जगदीश खेरलिया, सूर्यकुमार, अक्षय मेहता, पुनीत सुखवाल, गोपाल सोनी आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

सलूम्बर न्यायालय परिसर में लगाया वाटर कूलर

संजीवनी टुडे

सलूम्बर।जिला बार एसोशिएशन सलूंबर और बूँद फाउंडेशन एस के बैंक के संयुक्त प्रयासों से वाटर कूलर न्यायालय परिसर में स्थापित किया गया। जिससे अधिवक्ताओं के साथ साथ पक्षकारो को भी इस भीषण गर्मी में

शीतल जल मिल सकेगा ।इस हेतु म एडीजे द्वारा उक्त वाटर कूलर का उद्घाटन किया गया ।कार्यक्रम में वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश किरण चौहान , न्यायिक मजिस्ट्रेट विनोद पंवार , तहसीलदार मयूर जोशी , बार अध्यक्ष राकेश प्रजापत , सहसचिव ललित चौधरी , पुस्तकालय सचिव मयूर जोशी सहवृत सदस्य जयेश चोबिसा, परमानन्द कलाल, ग्रिजेश ताजावत, वरिष्ठ अधिवक्ता सोहन लाल चौधरी , कमल बाहेती, राजकुमार जैन , गणेश मेहता , प्रकाश मेहता ,नाहर सिंह चुण्डावत, राकेश पुर्बिया, संजय मेहता ,नरेश स्वर्णकार प्रभुलाल मीणा , अब्दुल राहूफ ,विजेश भलवाड़ा , रणजीत पुर्बिया, भगवतीलाल सुथार, राकेश जैन , चंद्रप्रकाश मेहता , जितेंद्र वैष्णव , मुकेश मेहता , नन्दलाल मीणा, राहुल आग़ाल , भागवंती मीणा ,केशव पटेल , जितेंद्र मीणा , जितेंद्र जी कलाल ,पन्नालाल कलासुला आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे ।

विप्र फाउंडेशन तहसील भीडर की बैठक सम्पन्न

संजीवनी टुडे

भींडर। विप्र फाउंडेशन तहसील भीडर की एक अति महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। जिसमें आगामी 10 मई को भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह आयोजित करने की रूपरेखा तैयार की गई बैठक में मुख्य आतिथ्य जिला महासचिव प्रेम शंकर रामावत, विशिष्ट अतिथि जिला विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ के संरक्षककिशन लाल मेनारिया थे ।अध्यक्षता विप्र फाउंडेशन भींडर के तहसीलअध्यक्ष प्रवीण कुमार आमेटा, अध्यक्ष विप्र फाउंडेशन तहसील भीडर ने कि । बैठक में आगामी परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत 8 मई को रक्तदान शिविर उदयपुर के एम बी कॉलेज के इंडोर स्टेडियम होगा जिसमें भींडर ,कानोड़, वल्लभनगर, मावली तहसील के युवा में विप्रजन स्वैच्छिक रक्तदान शिविर करेंगे व ,10 मई को सुबह8:30बजे भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर भींडर मैं सुरजपोल स्थित परशुराम उद्यान में भव्य संगीतमय सुन्दर कांड

काआयोजन होगा,जिसमें कई महिला पुरुषों के शामिल होने के लिए तैयारियां की है।तत्पश्चात परशुराम भगवान की आरती करके प्रसाद वितरण किया जायेगा।सभी विप्रजन सफ़ेद वस्त्र व सिर पर पगड़ी या साफा पहनकर उदयपुर शोभायात्रा में भाग लेने हेतु 2बजे सूरजपोल पर एकत्रित होकर उदयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।जिसमें महिलाओं को भी शामिल होने के लिए आह्वान किया गया है।3बजे भटेवर बाय पास पर वल्लभनगर, रुंडेरा, भटेवर, मेनार, वाना, खरसान, बाठेड़ा,बाँसड़ा, खेरोदा, बामनिया के सभी विप्र एक साथ रवाना होंगे।वल्लभनगर से51 मोटरसाइकिल सवार आगे चलेंगे।उदयपुर फतह स्कूल से 4बजे से शुरू होने वाली शोभायात्रा में शामिल होंगे। बैठक में ओमप्रकाश वेणावत, महामंत्री,दिनेश चोबीसा कोषाध्यक्ष,महेश चन्द्र चोबीसा, रमेशचंद्र चोबीसा,गिरिश चोबीसा, प्रहलाद चोबीसा,लोकेश वशिष्ठ,गोपाल वेणावत, जगदीश गोठण, जयदीप चोबीसा इनके साथ की विप्रजनों ने बैठक में भाग लिया।

कैबिनेट मंत्री को जान से मारने की धमकी के बाद भाजपाई में गुस्सा सौंपा ज्ञापन

संजीवनी टुडे

फलासिया।राजस्थान के जनजाति कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी को मिली जान से मारने की धमकी आज झाडोल विधानसभा क्षेत्र में जनजाति कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी को सोशल मीडिया के माध्यम से जान से मारने की धमकी मिल रही है पहले भी इस प्रकार की धमकी मिल चुकी है विधानसभा झाडोल क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं व क्षेत्र की जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है झाडोल मंडल फलासिया मंडल और ओगणा मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा झाडोल पुलिस थाना में डीवाईएसपी महावीर सिंह शेखावत को ज्ञापन दिया गया धमकी देने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए जिससे क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे झाडोल मंडल अध्यक्ष नीलम राजपुरोहित फलासिया मंडल अध्यक्ष भोपाल सिंह शक्तावत ओगणा मंडल अध्यक्ष तखत सिंह सोलंकी विधानसभा मीडिया संयोजक जीतू भाई शुक्ला मनीष पुरोहित संजय मेहता लाल सिंह राणावत शंकर लाल गाडरी लक्ष्मी लाल रोशन लाल पुरबिया लालू राम गाडरी पंकज जैन देवीलाल तेजावत गिरधारी लाल जोशी भंवरलाल कठेरिया धीरज पुरबिया फतूभाई पटेल बंसीलाल बडेरा मोहनलाल पटेल राजू निमावत रवि गाडरी भगवती लाल भावुक जैन राजू सोनी रौनक जैन राहुल जैन दिनेश पोखरणा रमेश चंद्र जोशी भगवत सिंह रोशन तेली दिनेश गरासिया तोलाराम हरि सिंह भगत सिंह मंगलाराम रमेश सिंह हरीश पटेल और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कैबिनेट मंत्री को जान से मारने की धमकी के बाद कोटड़ा बाजार रहा बन्द

संजीवनी टुडे

झाड़ोल/फलासिया।राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी को लगता दूसरी बार जान से मारने की धमकी मिली जानकारी अनुसार सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम अकाउंट पर बाबूलाल खराड़ी की पोस्ट पर कमेंट कर जान से मारने की धमकी दे डाली जिनकी जानकारी मंत्री के पुत्र को 3 दिन बाद मिलने पर उन्होंने मामला दर्ज करवा कर उदयपुर एसपी बस जिला कलेक्टर को जानकारी थी इसके बाद शनिवार सुबह कोटड़ा बाजार मे स्थानीय ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए 10:00 बजे तक बाजार बंद रखा उसके बाद कोटड़ा एसडीएम को ज्ञापन देकर कार्रवाई करने की मांग की क्या पढ़ने में प्रमुख हिम्मत तावड़ ने बताया कि ऐसे असामाजिक तत्व के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए और उनके का से तार कहां से जुड़े हुए उसका बारीकी जांच करने की मांग की भारतीय जनता पार्टी एसटी मोर्चा जिला मंत्री एडवोकेट हिम्मत तावड़ मुकेश जैन राकेश जाटव देवीलाल तराल रायचन्द खैर मन्शी बुम्बरिया विनोद खैर सोहन ग़मार अजित ग़मार रसु किशनलाल गुलाराम व्यापार मंडल वासुदेव रवि पुरबिया व अनेकों कार्यकर्ता बाजार बंद के समय बाजार में लोगो के साथ उपस्थित रहे।

दुःख भंजन बालाजी मंदिर थली व हनुमान जी मंदिर आंधी में मेले का हुआ आयोजन, लगाई ढोक

संजीवनी टुडे

जमवारामगढ़। उपखंड क्षेत्र की आंधी पंचायत समिति क्षेत्र में थली नीमला रोड पर स्थित दुःख भंजन बालाजी महाराज मंदिर एवं आंधी मुख्य कस्बे स्थित हनुमान जी महाराज मंदिर राम तलाई में भव्य मेले का आयोजन किया गया। मेले के अवसर पर आसपास की दर्जनों ग्राम पंचायतो सहित जयपुर व दौसा आदि से हजारों की संख्या में श्रद्धालु मेले में पहुंचे। स्थानीय ग्रामवासियों ने घरों में पकवान, दाल बाटी, चूरमा आदि बनाकर बालाजी महाराज को भोग लगाया। श्रद्धालुओं ने बालाजी को ढोक लगाकर सुख समृद्धि की कामना की। मेले की पूर्व संध्या पर हनुमान जी मंदिर व श्री दुःख भंजन बालाजी मंदिर प्रांगण में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। जहां पर भक्तों ने भाव विभोर होकर भजनों का आनंद लिया। मेले के दौरान दुःख भंजन बालाजी मंदिर थली में नरसिंह भगवान की सजीव झांकी निकाली गई। मेले की व्यवस्थाओं को लेकर मेला आयोजन कमेटी एवं पुलिस प्रशासन मुस्तैद नजर आया। दुःख भंजन बालाजी महाराज मंदिर थली के महंत अमरीश दास जी महाराज एवं बलराम दास जी महाराज के सानिध्य में विशाल मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने एवं ग्रामीणों ने श्री बालाजी महाराज को

ढोक लगाकर मनोकामनाएं मांगी। ग्राम वासियों ने घरों में पकवान एवं दाल बाटी चूरमा बनाकर बालाजी महाराज को भोग लगाया। मेले के दौरान भामाशाहों द्वारा जगह-जगह शीतल पेय की व्यवस्था की गई। आसपास के दर्जनों गांव से महिला पुरुष मेले में पहुंचे, जहां पर महिलाओं एवं बच्चों ने घरेलू सामान व खिलौने आदि की खरीदारी की। मेला आयोजन की पूर्व संध्या पर विशाल रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। इस दौरान संपूर्ण मंदिर प्रांगण रोशनी में जगमग नजर आ रहा था। जागरण में राजस्थान के प्रसिद्ध कलाकार महेश नागौरी, मीनाक्षी मौसम, कमलेश प्रजापत आदि ने राधिका दिनेश म्यूजिकल ग्रुप के सानिध्य मे बालाजी महाराज के भजनों की प्रस्तुति दी, एवं रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस दौरान भक्तों ने "मारो बेड़ो तो लगा दी ज्यो पार बजरंग बालाजी" "मोरिया पांखड़ली दे दे रे थारा नाम री.... म्हारा बालाजी के जार.. चढ़ाऊंली... आदि सुरीले भजनों पर भाव विभोर होकर भजनों का आनंद लिया। मेले के दौरान सूर्यास्त के समय नरसिंह भगवान की सजीव झांकी के सभी श्रद्धालुओं ने दर्शन कर आरती करते हुए मेले का समापन किया। वही आंधी मुख्य कस्बे में राम तलाई स्थित हनुमान जी महाराज मंदिर में महंत गिरधारी दास जी महाराज के सानिध्य में विशाल मेले का आयोजन किया गया। जहां पर ग्रामीण महिलाएं एवं बच्चों ने खरीदारी करते हुए झूले आदि का आनंद लिया। मेला आयोजन के दौरान व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए मेला आयोजन कमेटी ने संपूर्ण व्यवस्थाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आंधी थाना पुलिस मय जाप्ते के रात्रि जागरण व मेल आयोजन के दौरान तैनात रही।

श्रमदान में लगे लाखों हाथ, तो जगमगा उठा मावठा

संजीवनी टुडे

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज द्वारा आमेर के प्रसिद्ध मावठा में शनिवार सुबह विशेष सफाई अभियान चलाया गया। हेरिटेज निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा की अपील पर इस विशेष सफाई अभियान में श्रमदान करने के लिए बड़ी संख्या में शहरवासी उमड़ पड़े। आयुक्त अभिषेक सुराणा के निर्देश पर हेरिटेज नगर निगम के सभी अधिकारी और कर्मचारियों ने भी स्वच्छता के लिए अपना श्रमदान किया। इस दौरान आमेर महल अधीक्षक राकेश छोलक ने भी अपनी टीम के साथ श्रमदान किया। आयुक्त अभिषेक सुराणा ने बताया कि हमारे प्राकृतिक जल स्त्रोत साफ और संरक्षित रहे, इसी उद्देश्य को ध्यान रखते हुए हेरिटेज निगम ने आमेर के मावठे में ये विशेष सफाई अभियान चलाया।हेरिटेज निगम आगे भी अन्य प्राकृतिक जल स्त्रोतों पर साफ सफाई करेगा।अतिरिक्त आयुक्त ड़ा रौनक

बैरागी ने बताया कि सफाई अभियान में आमेर स्थित मावठा की सफाई की गई। इस दौरान हेरिटेज निगम के ब्राण्ड एम्बेसेडर सिंगर रविन्द्र उपाध्याय और कनिका भी मौजूद रही। निगम ने संसाधन उपलब्ध कराए, सफाई अभियान में करीब दो हजार लोग मौजूद रहे। इस दौरान करीब दो टन कचरा मावठे से इकट्ठा किया। मावठा सरोवर में वर्क संस्था से की और से भी महिलाओं सहित एक दर्जन वर्कर्स ने उत्साह के साथ श्रमदान किया।वर्क संस्था की और से लाइक हसन के नेतृत्व में जयपुर हेड हिदायत रसूल,कैशियर जियाउर्रहमान, डॉक्टर तस्लीम,अतीक खान, मोहसिन खान, शाहिद कुरेशी,आरिफ अंसारी, इकराम खान,रहबर,अकरम तथा वर्क महिला विंग से लुबेना फिरदौस,मलिका तस्लीम आदि ने बढ़चढ़ कर सफाई अभियान श्रमदान किया।ज्ञात रहे की वर्क संस्था भारत में सतयुग के आगमन हेतु सकल प्रयास कर रही है,वर्क का मानना है की सतयुग जब शुरू होगा,भारत विश्व गुरु होगा।उक्त कार्यक्रम में वर्क के अलावा गुलाबी नगरी जयपुर की अन्य मुख्य संथाओ व आम नागरिकों ने भी श्रमदान किया। सामाजिक संगठन और संस्थाओं में जयपुर व्यापार महासंघ, गोपाल जी का रास्ता व्यापार मण्डल, मनिहारों का रास्ता व्यापार मण्डल, जलमहल व्यापार मण्डल, आमेर व्यापार मण्डल, रामगढ रोड व्यापार मण्डल, सी फॉर एनजीओ, होटल फैडरेशन ऑफ राजस्थान, क्लब महिन्द्रा, सुबोध स्कूल, भूमि एनजीओ, ग्राम भारती समिति आमेर, नई उमंग एनजीओ, जलमहल के वेंडर्स, सुबोध कॉलेज एनएसएस टीम, कदम्ब कुण्ड एवं ताल कटोरा विकास समिति, महावीर इंटरनेशनल एनजीओ, जय भारत जन चेतना मंच, माधवी शिक्षा संस्था, जयपुर ग्राफर्स इंस्टाग्राम, एजुकेशन एंड कर्मचारी संगठन आदि निजी संस्थाओं और स्कूल का सहयोग रहा।

रेडिमेड शॉप में नकदी और कपड़े चुरा ले गए चोर

संजीवनी टुडे

खेरवाड़ा।उदयपुर जिले के खेरवाड़ा कस्बे में चोरों ने एक रेडिमेड कपड़े की दुकान को निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। वारदात पुलिस थाना परिसर से महज 300 मीटर की दूरी पर हुई। जानकारी के अनुसार पुलिस थाना मार्ग पर वेलवाजी प्लाजा के पास आशा रेडिमेड कपड़े और शूज की दुकान पर बीती रात को यह चोरी हुई। दुकानदार खेरवाड़ा निवासी पंकज जांगिड़ ने बताया कि रोजाना की तरह शनिवार सुबह वह अपनी दुकान पर आया और देखा कि दुकान का ताला टूटा हुआ था। अंदर देखा तो सभी सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने दुकान के काउंटर में रखे 6 हजार रुपए नकद, कपडे और जूते चुराकर ले गए। चोरों द्वारा कपड़े की दुकान के पास स्थित दो अन्य दुकानों के ताले तोड़ने का भी प्रयास किया लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। पंकज की सूचना पर खेरवाडा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू की।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

प्रतिकूल परिस्थितियों में रोशनी बनता भारत

कोरोना महामारी एवं महासंकट से एक बार फिर साबित हुआ कि जो इन खराब हालात में धैर्य, संयम और खुदी को बुलंद रखेगा, उसके रास्ते से बाधाएं हटती जाएंगी, बेशक देर लग जाए। अगर पत्थर पर लगातार रस्सी की रगड़ से निशान उभर आते हैं, तो अकूत संभावनाओं से भरी इस दुनिया में क्या नहीं हो सकता? जहां सभी के लिए पर्याप्त अवसर और पर्याप्त रास्ते हैं, अक्सर हम बाधाओं से तब टकराते रहते हैं, जब सही रास्ते की तलाश कर रहे होते हैं और सही रास्ता मिलने पर सफलता की ओर हमारे पैर खुद ही बढ़ने लग जाते हैं, लेकिन अक्सर इस तलाश में ही बहुत सारे लोग निराश हो जाते हैं, धैर्य खो देते हैं, असंतुलित हो जाते हैं और किस्मत को कोसने लगते हैं। ऐसा लोगों को बड़े मनोवैज्ञानिक ढंग से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सकारात्मक दिशाओं की ओर अग्रसर किया है।

कोरोना महामारी, सुविधावादी जीवनशैली और ग्लोबल वार्मिंग से उपजे संकट के कहर से यदि दुनिया को बचाना है तो भारत के योग, आयुर्वेद, आध्यात्मिक जीवनशैली एवं संयममय जीवन के विकल्प के अलावा शायद कोई दूसरा रास्ता नहीं है। जिस तरह से जंगल खत्म हो रहे हैं उसे देखते हुए समझ में नहीं आ रहा है कि मनुष्य को सांस लेने के लिए ऑक्सीजन कहां से मिलेगी? प्रकृति बड़ा उदार है। उसने मानव को विशाल पृथ्वी दी, अनंत आकाश दिया, चतुर्दिक व्याप्त वायु दी और जल दिया। उसने मनुष्य की श्रेष्ठता की कल्पना करके सोचा होगा कि वह सबके हित में इन तथा उसकी दी हुई सब सम्पदाओं का उपयोग करेगा। धरती को एक विशाल परिवार मानकर प्रेम की फसल उगायेगा, जलवायु से सबके प्राणों की रक्षा करेगा और आकाश से सबके ऊपर सुख की वर्षा करेगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और मनुष्य जीवन बार-बार संकट में आता रहा है। मनुष्य के स्वास्थ्य, सामाजिक जीवन, संवेदना एवं आर्थिक चुनौतियों की ही तरह आधुनिक विश्व के सामने पर्यावरणीय चुनौतियां भी हैं जो विभिन्न प्रकार के विनाशों, खाद्य तथा ऊर्जा संकट और सामाजिक तनावों तथा संघर्षों की ओर ले जा रही है। जलवायु परिवर्तन इस चुनौती का सबसे प्रत्यक्ष तथा सिर पर आ खड़ा हुआ अवतार है। मौजूदा विकास क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए अपनाया जा रहा मशीनी रवैया नई समस्याओं को जन्म देगा। कोरोना महामारी और जलवायु परिवर्तन से निपटना तब कहीं ज्यादा आसान हो जाएगा, अगर हम गैर-जरूरी आर्थिक गतिविधियों को कम कर देंगे, अपनी सुविधावादी जीवनशैली पर नियंत्रण करेंगे। पर्यावरण संकट को कम करने के लिये जरूरी है कि उत्पादन कम हो तो कम ऊर्जा का इस्तेमाल होगा और इस तरह से कम ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होगा। खानपान में शाकाहार को अपनायेंगे तो भी पर्यावरण पर मंडरा रहे खतरों को कम कर सकेंगे। महात्मा गांधी ने प्राकृतिक संसाधनों का विवेक और संयम के साथ उपयोग करने की ग्राम स्वराज्य की परिकल्पना प्रस्तुत की थी, कोरोना महासंकट ने हमें ग्राम्य जीवन में ही अधिक सुरक्षित एवं स्वस्थ जीवन के दर्शन कराये हैं। मनुष्य संसार का सर्वश्रेष्ठ प्राणी माना जाता है। यहां तक कहा गया है कि मनुष्य से ऊपर कुछ नहीं है। संभवतः जिन्होंने यह कहा, उनके समक्ष भारतीय संस्कृति का यह मूल मंत्र ही था-'वसुधैव कुटुम्बकम्'। पर यह कथन किसी सुदूर युग के लिए सही रहा होगा, आज तो वह कुछ बेमानी-सा हो गया है और कोरोना महासंकट के समय हमने इसे अधिक बेमानी बना दिया है। कहते हैं कि प्रतिकूल परिस्थितियों से निकलकर सफलता तक जाने वाली हर यात्रा अनोखी और अद्वितीय होती है। सवाल इस बात का नहीं होता कि आप आज क्या हैं, क्या कर रहे हैं, क्या सोच, संवेदना और समय रखते है- बस एक संयमप्रधान जीवनशैली एवं आध्यात्मिक परिवेश चाहिए। जीवन की लहरों में तरंग तभी पैदा होगी, जब आप वैसा कुछ करेंगे। ऐसा करके ही हम कोरोना मुक्ति की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। आज इंसान को इंसान से जोड़ने वाले तत्व कम हैं, तोड़ने वाले अधिक हैं। इसी से आदमी आदमी से दूर हट गया है। उन्हें जोड़ने के लिए प्रेम चाहिए, करुणा चाहिए और चाहिए एक-दूसरे को समझने की वृत्ति। ये सब मानवीय गुण आज तिरोहित हो गये हैं और इसी से आदमी आदमी के बीच चैड़ी खाई पैदा हो गयी है। एक का सुख दूसरे को सुहाता नहीं है, एक की उन्नति दूसरे को हुलसाती नहीं है। सब अपने-अपने स्वार्थ में लिप्त हैं। कोरोना कहर के बावजूद वह सौमनस्य दिखाई नहीं देता, जो दिखाई देना चाहिए।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

सांप्रदायिकता एक राजनीतिक हथियार बनी हुई

विचार बिन्दु

सांप्रदायिक हिंसा पर लगाम लगाने के लिए पुलिस को पूरी तरह से तैयार होने की जरूरत है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए स्थानीय खुफिया नेटवर्क को मजबूत किया जा सकता है। शांति समितियों का गठन किया जा सकता है जिसमें विभिन्न धार्मिक समुदायों के व्यक्ति एक साथ मिलकर सद्भावना और साथी भावना फैलाने और दंगा प्रभावित क्षेत्रों में भय और घृणा की भावनाओं को दूर करने के लिए काम कर सकते हैं। यह न केवल सांप्रदायिक तनाव को दूर करने में बल्कि दंगों को फैलने से रोकने में भी कारगर होगा।

सत्यवान 'सौरभ'

रोजमर्रा की भाषा में, 'सांप्रदायिकता' शब्द धार्मिक पहचान की रूढ़िवादिता को दर्शाता है। ये अपने आप में एक ऐसा रवैया है जो अपने ही समूह को एकमात्र वैध या योग्य समूह के रूप में देखता है, अन्य समूहों को निम्न, नाजायज और विरोध के रूप में देखता है। इस प्रकार सांप्रदायिकता धर्म से जुड़ी एक आक्रामक राजनीतिक विचारधारा है। सांप्रदायिकता भारत में एक विशेष रूप से महत्वपूर्ण मुद्दा है क्योंकि यह तनाव और हिंसा का एक स्रोत रहा है। सांप्रदायिकता एक ऐसी राजनीति को संदर्भित करती है जो एक समुदाय को दूसरे समुदाय के शत्रुतापूर्ण विरोध में एक धार्मिक पहचान के इर्द-गिर्द एकजुट करने का प्रयास करती है। भारत में स्वतंत्रता पूर्व के समय से सांप्रदायिक दंगों का इतिहास रहा है, अक्सर औपनिवेशिक शासकों द्वारा अपनाई गई फूट डालो और राज करो की नीति के परिणामस्वरूप। लेकिन उपनिवेशवाद ने अंतर-सामुदायिक संघर्षों का आविष्कार नहीं किया और निश्चित रूप से इसे स्वतंत्रता के बाद के दंगों और हत्याओं के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। भारत में सांप्रदायिकता एक राजनीतिक हथियार बनी हुई है; राजनेताओं ने भारत में गंभीर सांप्रदायिक स्थिति पैदा करने में खलनायक की भूमिका निभाई है। 1947 में एक विशेष धार्मिक 'समुदाय' के नाम पर भारत के दर्दनाक विभाजन की जड़ में राजनीति थी। लेकिन विभाजन के रूप में भारी कीमत चुकाने के बाद भी, उसके बाद हुए कई दंगों में, हम प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, राजनीतिक दलों या उनके समर्थकों की भागीदारी पा सकते हैं। इसके साथ ही वोट बैंक के लिए तुष्टीकरण की नीति, समुदाय, संप्रदाय, उप-पंथ और जाति के आधार पर उम्मीदवारों का चयन और चुनाव के समय धार्मिक भावनाओं को भड़काने से सांप्रदायिकता का उदय हुआ। समुदाय को एकजुट करने के लिए, सांप्रदायिकता समुदाय के भीतर के भेदों को दबाती है और अन्य समुदायों के खिलाफ समुदाय की आवश्यक एकता पर जोर देती है। आज सबसे बड़ा प्रश्न ये है कि विकास की ताकतों ने भारत में सांप्रदायिक कारकों पर काबू क्यों नहीं पाया? भले ही भारत की सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ हो लेकिन फिर भी भारतीय समाज के सामने कई चुनौतियाँ हैं, जो इसकी विविधता के लिए खतरा बनती जा रही हैं। जनसंख्या, गरीबी, निरक्षरता और बेरोजगारी बहुत सारी मजबूरियां पैदा करती है, खासकर युवा पीढ़ी के सामने। युवा पीढ़ी के कई लोग जो बेरोजगार हैं और गरीबी की स्थिति में हैं, सांप्रदायिकता जैसी बुराई में शामिल हो जाते हैं। साम्प्रदायिकता की समस्या को और गंभीर बनाने में बाहरी तत्वों (गैर-सरकारी तत्वों सहित) की भी भूमिका होती है। सोशल मीडिया ने ब्रेक-नेक गति से फर्जी खबरों को प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, क्योंकि हिंसा, घृणास्पद संदेशों के प्रचुर ऑडियो-विजुअल दस्तावेज लगभग तुरंत जनता तक पहुंचाए जाते हैं। हालांकि, अमानवीयता के इन ग्राफिक चित्रणों ने पछतावा नहीं किया है या मन नहीं बदला है; बल्कि, उन्होंने पक्षपात और कठोर रुख को गहरा किया है। मीडिया नैतिकता और तटस्थता का पालन करने के बजाय, अधिकांश मीडिया घराने विशेष राजनीतिक विचारधारा के प्रति झुकाव दिखाते हैं, जो बदले में सामाजिक दरार को चौड़ा करता है। लोग अपने लिए सोचने के लिए सुसज्जित नहीं हैं और इससे वे स्वयं बुरे से अच्छे को अलग करने में सक्षम होने के बजाय आँख बंद करके 'प्रवृत्तियों' का अनुसरण करते हैं। बहुसंख्यक समूह अक्सर यह मानता है कि देश की प्रगति में उसका एकमात्र अधिकार है। यह हिंसा के कृत्यों की ओर जाता है जब छोटे समूह प्रगति के बहुसंख्यकवादी विचारों का विरोध करते हैं। इसके विपरीत, अल्पसंख्यक समूह जब भी अपने जीवन के तरीके को उल्लंघन से बचाने की कोशिश करते हैं, तो वे अक्सर खुद को 'राष्ट्र-विरोधी' होने के लिए दोषी पाते हैं। यह अक्सर समाज में हिंसा पैदा करता है। हमारे पास धार्मिक, सांस्कृतिक, क्षेत्रीय या जातीय संघर्ष के उदाहरण है जो हमारे इतिहास के लगभग हर चरण में पाए जा सकते हैं। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे पास धार्मिक बहुलवाद की एक लंबी परंपरा भी है, जो शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व से लेकर वास्तविक अंतर-मिश्रण या समन्वयवाद तक है। यह समन्वित विरासत भक्ति और सूफी आंदोलन के भक्ति गीतों और कविताओं में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है सांप्रदायिक हिंसा वैचारिक रूप से गठबंधन राजनीतिक दलों के वोट बैंक को मजबूत करती है और समाज में एकजुटता को और बाधित करती है। यह लंबे समय तक सांप्रदायिक सद्भाव को गंभीर नुकसान पहुंचाता है। इससे दुनिया के सामने बहुलवादी समाज के रूप में देश की छवि भी धूमिल होती है। सांप्रदायिक हिंसा धर्मनिरपेक्षता और बंधुत्व जैसे संवैधानिक मूल्यों को कम करती है।

सांप्रदायिक हिंसा पर लगाम लगाने के लिए पुलिस को पूरी तरह से तैयार होने की जरूरत है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए स्थानीय खुफिया नेटवर्क को मजबूत किया जा सकता है। शांति समितियों का गठन किया जा सकता है जिसमें विभिन्न धार्मिक समुदायों के व्यक्ति एक साथ मिलकर सद्भावना और साथी भावना फैलाने और दंगा प्रभावित क्षेत्रों में भय और घृणा की भावनाओं को दूर करने के लिए काम कर सकते हैं। यह न केवल सांप्रदायिक तनाव को दूर करने में बल्कि दंगों को फैलने से रोकने में भी कारगर होगा। शिक्षा के माध्यम से सभी स्तरों पर लोगों को डी-कम्युनिकेट करने की प्रक्रिया शुरू करने की आवश्यकता है। मूल्य-आधारित शिक्षा करुणा और सहानुभूति पैदा कर सकती है जो लोगों पर किसी भी प्रकार के सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के प्रभाव की संभावनाओं को कम कर सकती है। भारत की स्वतंत्रता के संघर्ष से देखी गई बहुलवाद और एकता पर बल दिया जा सकता है। सांप्रदायिक विचारों और विचारधाराओं वाले नेता सरकार पर इस तरह से कार्य करने के लिए दबाव डालते हैं जो हमेशा धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ होता है। यहीं पर बुद्धिजीवी और स्वयंसेवी संगठन सबसे प्रभावी हो सकते हैं। साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को घृणित सामग्री को विनियमित करने और अफवाहों और सांप्रदायिक तनाव को भड़काने वाली किसी भी तरह की सामग्री के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कहा जाना चाहिए। भारत जैसे विविधता वाले देश में सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखना और बहुलवाद का सम्मान करना एक चुनौती हो है। हालांकि, बंधुत्व और धर्मनिरपेक्षता जैसे संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए देश के लोगों की सामूहिक अंतरात्मा को संबोधित करना महत्वपूर्ण है। जहां एक ओर यह लोगों की असुरक्षा को ध्यान में रख सकता है, वहीं दूसरी ओर, यह राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। एक मजबूत राष्ट्र, जो अपनी समृद्धि के लिए एक साथ काम करने वाले समुदायों के योगदान से बना है, वैश्विक शांति और सद्भाव के रखरखाव में और योगदान दे सकता है।

अखण्ड सौभाग्य तथा संतान सुख के लिए सुहागिन महिला अवश्य करें मंगला गौरी व्रत

श्रावण माह भगवान भोलेनाथ का प्रिय माह हैं और इस माह में भगवान शिव के साथ ही उनके परिवार की भी पूजा अर्चना करनी चाहिए। मंगला गौरी व्रत सुहागिन महिलाओं को अवश्य करना चाहिए। यह व्रत करने से अखण्ड सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता हैं। साथ ही पति की लंबी उम्र और संतान के सुखमय जीवन का आशीर्वाद प्राप्त होता हैं।

श्रावण माह में जिस तरह सोमवार का महत्व होता हैं उसी तरह मंगलवार का भी बहुत महत्व हैं। जिस प्रकार से श्रावण सोमवार को भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की जाती हैं। ठीक उसी प्रकार मंगलवार को गौरी मैया यानि की भगवान शिव की अर्धांगिनी माता पार्वती की पूजा की जाती हैं। जिसे मंगला गौरी व्रत कहा जाता हैं। यह मंगला गौरी व्रत सुहागिन महिलाओं के द्वारा अखण्ड सौभागय तथा सन्तान सुख के लिए किया जाता हैं। व्रत करने वाली महिलाए माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर उन्हें प्रसन्न करती हैं। माता पार्वती व्रत करने वाली महिलाओं को सुख प्राप्ति का आशीर्वाद भी प्रदान करती हैं। आज हम आपको मंगला गौरी व्रत का इतिहास, महत्व और पूजन विधि के बारे में बताएंगे।

श्रावण माह भगवान भोलेनाथ का प्रिय माह हैं और इस माह में भगवान शिव के साथ ही उनके परिवार की भी पूजा अर्चना करनी चाहिए। मंगला गौरी व्रत सुहागिन महिलाओं को अवश्य करना चाहिए। यह व्रत करने से अखण्ड सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता हैं। साथ ही पति की लंबी उम्र और संतान के सुखमय जीवन का आशीर्वाद प्राप्त होता हैं। अगर आपके दाम्पत्य जीवन में कोई समस्या आ रही है तो आप यह व्रत अवश्य करें। क्योकि माता पार्वती इसका आशीर्वाद प्रदान करती हैं। अगर श्रावण माह में चार सोमवार और चार मंगवालर आता हैं तो सुहागिन महिलाओं को अवश्य ही यह व्रत करना चाहिए। क्योंकि इस व्रत के फल से शिवजी और माता पार्वती की तरह पति-पत्नी में प्रेम बना रहता हैं। कुवारी कन्या मन चाहे वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत कर सकती है।

मंगला गौरी व्रत से माता पार्वती का आशीर्वाद सुहागिन महिलाओं को विशेष रूप से प्राप्त होता हैं। पौराणिक कथाओं में बताया जाता हैं कि एक देश के राजा को सन्तान प्राप्ति नही हो रही थी। राजा-रानी ने भगवान शिव की तपस्या की और शिवजी को प्रसन्न किया। शिवजी ने राजा को वरदान दिया की तुम्हारे यहाँ पुत्र होगा लेकिन उसकी आयु मात्र 16 वर्ष तक ही रहेगी। शिवजी के आशीर्वाद से राजा-रानी के यहाँ पुत्र हुआ। जैसे-जैसे पुत्र बड़ा होता जा रहा था वैसे ही राजा और रानी को इस बात का दुःख हो रहा था कि उनका पुत्र 16 वर्ष की आयु में मृत्यु को प्राप्त हो जाएगा। एक दिन राजा ने यह बात अपने राज्य के पंडित और विद्वानो को बताई तो राजा को एक विद्वान ने बताया कि राजा उनके पुत्र का विवाह ऐसी युवती से कर दें जो माता पार्वती की भक्त हो। राजा ने वैसा ही किया और अपने पुत्र का विवाह कर उसकी पत्नी को सारी बात बताई। राजा की पुत्र वधु ने माता पार्वती से प्रार्थना की तो माता पार्वती ने उन्हें मंगला गौरी व्रत श्रावण माह के हर मंगलवार के दिन करने को कहा।

राजा की पुत्र वधु ने मंगला गौरी व्रत किया और माता पार्वती की कृपा से राजा का पुत्र 16 वर्ष बाद भी जीवित रहा। जिसके बाद से श्रावण माह के हर मंगवालर को राजा की पुत्र वधु द्वारा मंगला गौरी व्रत करना प्रारंभ कर दिया। जिसके बाद से ही सुहागिन महिलाओं द्वारा व्रत करना प्रारंभ किया। मंगला गौरी व्रत हर सुहागिन महिला को करना ही चाहिए।

हम इस व्रत की पूजन विधि बता रहें हैं। मंगला गौरी व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर नित्यकर्म के बाद स्नान कर साफ वस्त्र पहन लें। जिसके बाद पूजन स्थान को स्वच्छ कर मंगला गौरी माता यानि की पार्वतीजी की तस्वीर को लाल रंग के कपड़े पर स्थापित कर दें। जिसके बाद आटे से दीपक बनाकर उसे माता के सामने प्रज्वलित करें और माता का पूजन करें।

05 मई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1949 भारत में झारखंड पार्टी की स्थापना हुई ।

1999 रोजाने प्रोदी यूरोपीय संघ के कार्यकारी अध्यक्ष बने।

2003 भारत-बांग्लादेश संयुक्त नदी आयोग की बैठक सिलहट में शुरू, बेल्जियम में गुय वेरहोफ्सराड के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार का पतन।

2005 ब्रिटेन में मतदान, टोनी ब्लेयर तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की ओर।

2008 पद्मविभूषण पं. किशन महाराज का अन्तिम संस्कार सम्पन्न।
एनटीपीसी के रिहन्द सुपर थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट को लगातार तीसरे वर्ष ग्रीनटेक गोल्ड सेफ्टी अवार्ड मिला।
डिस्पोजल सीरिंज के आविष्कारक न्यूजीलैंड के कोलिन मार्डोक का निधन।

2010 आंध्र प्रदेश के श्री हरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से नई पीढ़ी के उच्च क्षमता वाले साउंडिंग रॉकेट का उड़ान परीक्षण सफल रहा।
भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने नारको एनालिसिस, ब्रेन मैपिंग या पोलीग्राफ टेस्ट जैसी जांचों को व्यक्ति के संविधान में प्राप्त स्वदोषारोपण से छूट व निजी स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन बताकर अस्वीकार कर दिया।
राजस्थान सरकार द्वारा गुर्जरों को 1 प्रतिशत आरक्षण तत्काल और 4 प्रतिशत का बैकलॉग रखने के समझौते के बाद गुर्जरों ने आंदोलन समाप्त कर दिया।

इंजीनियरिंग बनाम मेडिसिन

विचार बिन्दु

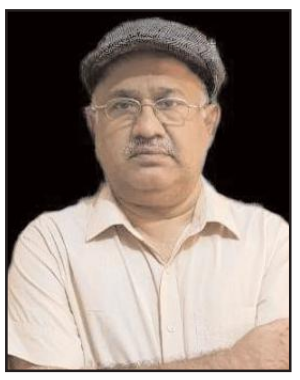

विजय गर्ग

अच्छे दिन भी बहुत जल्द आएंगे । सब कुछ वापिस पहले जैसा होगा। जब तक इस बीमारी का प्रकोप ज्यादा है तब तक आत्मबल से जिएं।

लंबे समय से छात्रों के लिए मेडिसिन या इंजीनियरिंग की पढ़ाई दो सबसे लोकप्रिय विकल्प रहे हैं। दोनों क्षेत्रों ने छात्रों के बीच उत्साह पैदा किया है और करियर के बेहतरीन अवसर के कारण कई छात्रों को आकर्षित किया है। वास्तव में, दोनों ही उन छात्रों को मोस्ट वांटेड करियर प्रदान करते हैं जो इन्हें चुनते हैं। हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद दुनिया भर के छात्र खुद को चौराहे पर पाते हैं। विज्ञान के इन दो क्षेत्रों के बीच निर्णय लेना और करियर के रूप में किसी एक को चुनना वास्तव में भ्रमित करने वाला है। टॉपर्स के लिए इंजीनियरिंग और मेडिसिन में से किसी एक को चुनना सबसे मुश्किल काम है। हालाँकि, इंजीनियरिंग के प्रति एक पूर्वाग्रह प्रतीत होता है जो केवल स्वाभाविक है और देश भर में डॉक्टरों और इंजीनियरों की संख्या में परिलक्षित होता है। हालांकि मेडिकल स्कूलों की संख्या की तुलना में हमारे देश और यहां तक ??कि दुनिया भर में इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या कहीं अधिक है। दोनों क्षेत्रों की तुलना करना काफी बहस का विषय हो सकता है, लेकिन फिर भी, उन दोनों से जुड़े तथ्य हैं। चार साल की इंजीनियरिंग की पढ़ाई स्नातक होते ही एक अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी दिला सकती है, जबकि चिकित्सा का अध्ययन करने के लिए कम से कम 8 साल की मेहनत करनी पड़ती है और फिर भी आप एक इंजीनियर के रूप में ज्यादा कमाने की उम्मीद नहीं कर सकते। आम तौर पर एक मेडिकल छात्र को एक साल की इंटर्नशिप के साथ 4 साल के एमबीबीएस और किसी विशेष मेडिकल क्षेत्र में तीन साल के मास्टर की आवश्यकता होती है। हालांकि, एक मेडिकल करियर का बड़प्पन पहलू कई छात्रों को चिकित्सा की ओर आकर्षित करता है और बहुत सारी महिला छात्रों को आकर्षित करता है। लोगों को राहत प्रदान करने, उनकी बीमारियों का इलाज करने और कुछ मामलों में, उनके जीवन को बचाने में सक्षम होना कुछ लोगों के लिए इस महान पेशे से आकर्षित होने के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है और संतुष्टि कुछ और है जो वास्तव में आपको पैसे से मिल सकती है। हालाँकि, चिकित्सा और इंजीनियरिंग के बीच बहुत अधिक अंतर हैं जिन्हें इस लेख में उजागर किया जाएगा। इंजीनियरिंग संरचनाओं, मशीनों, उपकरणों, प्रणालियों, सामग्रियों और प्रक्रियाओं के डिजाइन, निर्माण और रखरखाव के लिए वैज्ञानिक, आर्थिक, सामाजिक और व्यावहारिक ज्ञान का अनुप्रयोग है। इंजीनियरिंग पूरी तरह से अनुकूलन के बारे में है कि आप गुणवत्ता से समझौता किए बिना कितनी प्रभावी ढंग से नई चीजों की खोज कर सकते हैं और लागत में कटौती कर सकते हैं। इसमें किसी समस्या या उद्देश्य के लिए एक उपयुक्त समाधान की कल्पना, मॉडल और पैमाना करने के लिए अंतर्दृष्टि का उपयोग करना शामिल हो सकता है। इंजीनियरिंग का अनुशासन अत्यंत व्यापक है और इसमें इंजीनियरिंग के अधिक विशिष्ट क्षेत्रों की एक श्रृंखला शामिल है, जिनमें से प्रत्येक प्रौद्योगिकी के विशेष क्षेत्रों और अनुप्रयोग के प्रकारों पर अधिक विशिष्ट जोर देता है। इंजीनियरिंग के लिए बहुत अधिक व्यावहारिक सोच और एक अच्छे ऋड स्तर की आवश्यकता होती है। एक इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम का चयन करने के लिए, किसी को व्यवहार में बुनियादी बातों की स्पष्ट समझ होनी चाहिए और विज्ञान का व्यावहारिक रूप से उपयोग करने के लिए अपने तीखेपन का उपयोग करने और कुछ उपयोगी बनाने के लिए पर्याप्त तेज होना चाहिए। पहला यह है कि दसवीं पूरी करने के बाद 11वीं कक्षा के लिए भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित जैसे प्रमुख विषयों के साथ गैर-चिकित्सा का विकल्प चुना जाए। 11वीं और 12वीं में नॉन-मेडिकल की पढ़ाई करने के बाद, छात्र को इंजीनियरिंग कॉलेज में अपनी सीट सुरक्षित करने के लिए विभिन्न इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं जैसे संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए उपस्थित होना पड़ता है। दूसरा विकल्प यह है कि 10वीं कक्षा पास करने के बाद किसी भी इंजीनियरिंग क्षेत्र में डिप्लोमा कोर्स का विकल्प चुना जाए और 3 साल का डिप्लोमा पूरा करने के बाद, छात्र ख्वक्ट्ठ परीक्षा के माध्यम से इंजीनियरिंग के दूसरे वर्ष में सीधे प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। छात्र इंजीनियरिंग क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला से चुन सकते हैं और अपनी रुचि और क्षमता के आधार पर किसी एक का चयन कर सकते हैं। चुनने के लिए इंजीनियरिंग की 200 से अधिक शाखाएँ उपलब्ध हैं, हालाँकि पाठ्यक्रम की उपलब्धता जगह-जगह भिन्न हो सकती है।

मधुमेह रोगियों को लेना चाहिए योग का सहारा

हैल्थ संवाददाता

भारत में आज लगभग हर घर में आपको कोई न कोई मधुमेह का रोगी मिल ही जाएगा। वैसे तो आमतौर पर लोग इस बीमारी को कोई खास तवज्जो नहीं देते लेकिन एक बार इस बीमारी की जद में आ जाने के बाद इससे छुटकारा पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। साथ ही यह एक ऐसी बीमारी है कि जिसके बाद मनुष्य को बहुत सी चीजों से किनारा करना पड़ता है। इतना ही नहीं, कुछ समय पहले तक जहां यह एक उम्र के बाद ही लोगों को अपनी चपेट में लेता था, वहीं गलत खान-पान व जीवनशैली के कारण वर्तमान में कम उम्र के लोग भी इससे पीड़ित हो रहे हैं। ऐसे में यह बेहद आवश्यक है कि कुछ ऐसे उपाय किए जाएं, जिससे आपका शुगर कंट्रोल में रहे। मधुमेह को नियंत्रित रखने में योग आपके काफी काम आ सकता है। तो आईए जानते हैं मधुमेह को कंट्रोल करने वाले कुछ योगासनों के बारे में-

पश्चिमोत्तानासन- इस आसन से शरीर का पाचनतंत्र मजबूत होता है और शरीर में रक्त का संचार तेजी से होता है, जिससे व्यक्ति को डायबिटीज से लड़ने में आसानी होती है। यह आसन करने के लिए पैर सीधे फैलाकर बैठ जाएं। फिर दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और सांस भरते हुए पैरों के तलवे को पकड़ने की कोशिश करें। घुटने से माथा सटना चाहिए। फिर सांस छोड़ते हुए हाथ ऊपर करके सामान्य हो जाएं। इस प्रक्रिया को दो से तीन पर बार दोहराएं।

सर्वांगासन: यह शरीर का संपूर्ण व्यायाम है। इसे करने से थॉयराइड और पैराथॉयराइड ग्रंथियों को मजबूती मिलती है। इसे करने के पहले सीधे लेट जाएं, फिर पैरों को धीरे-धीरे उठाते हुए 90 डिग्री का कोण बनाएं। हाथों से कमर को सहारा दें। इस आसन में शरीर का सारा भार गर्दन पर पड़ना चाहिए। पैरों को सीधा रखें।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन: यह आसन यकृत व मूत्राशय को सक्रिय बनाता है। जिन लोगों के शरीर के भीतर इंसुलिन का उत्पादन नहीं होता या जिन्हें मधुमेह की बीमारी होती है, यह अभ्यास उनके शरीर में अग्नाशय को सक्रिय बनाकर इंसुलिन के उत्पादन में सहयोग देता है, इसलिए यह मधुमेह के उपचार के लिए रामबाण दवा है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले सामने की ओर दोनों पैरों को फैलाकर बैठ जाएं। अब दाहिने पैर को मोड़ते हुए बाएं घुटने के बगल में बाहर की ओर रखें। इसके बाद बाएं को दाहिने ओर मोडिए। एडी दाहिने नितम्ब के पास रहें। बाएं हाथ को दाहिने पैर के बाहर की ओर रखते हुए दाहिने पैर के टखने या अंगूठे को पकड़ें। दाहिना हाथ पीछे की ओर कमर में लपेटते हुए शरीर को दाहिनी ओर मोडें। अंतिम अवस्था में पीठ को अधिक से अधिक मोड़ने की कोशिश करें। एक मिनट इस अवस्था में रूकने के बाद धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आ जाएं। अब इसी क्रिया को विपरीत दिशा में करें। गर्भावस्था के दौरान व हृद्य रोगियों को यह आसन नहीं करना चाहिए।

प्राणायाम: प्राणायाम मधुमेह के रोगियों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। खासतौर से, भ्रामरी और भ्रस्त्रिका प्रणायाम तो डायबिटिक लोगों को जरूर करना चाहिए। इनके नियमित अभ्यास से स्ट्रेस लेवल कम होता है और शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। भ्रामरी प्राणायाम करने के लिए पद्मासन में बैठ जाएं। अंगूठे से कान बंद करें और ऊपर की तीन उंगलियों को आंखों पर रखें। अब गहरी सांस लेते हुए गले से उच्चारण करें। भस्त्रिका प्रणायाम के लिए पद्मासन में बैठ जाएं। गहरी सांस लें और उसे जल्दी-जल्दी छोड़ें। इस प्रक्रिया में मुंह बंद रखें और सांस की सारी प्रक्रिया नाक से ही करें।

सूर्य नमस्कार: अगर आपके पास सभी आसनों को करने का पूरा समय नहीं है तो रोज दो से तीन बार सूर्य नमस्कार अवश्य करें। सिर्फ इस आसन को करने से भी आप काफी हद तक इस रोग को नियंत्रित कर सकेंगे। इससे श्वास, पेट और प्रतिरोधी क्षमता को लाभ पहुंचता है।

इन बातों का रखें ख्याल

अगर आप योग द्वारा मधुमेह का उपचार कर रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें। सर्वप्रथम हमेशा खाली पेट ही योग क्रिया करें। साथ ही ढीले, हल्के व आरामदायक वस्त्र पहनकर ही योग करें। ऐसा जरूरी नहीं है कि आप सभी योगासन करें लेकिन जो भी करें, उसे सही ढंग से करें। साथ ही इसे चंद दिनों की चांदनी न बनाएं बल्कि जीवनपर्यन्त हमेशा करने की आदत डालिए। योगासन के अतिरिक्त अगर संभव हो तो सप्ताह में एक दिन नेती क्रिया या कुंजल क्रिया अवश्य करें। इन क्रियाओं को शुरूआत में किसी विशेषज्ञ की देख-रेख में ही करें।

'पपीते का रस वाकई है डेंगी की कारगर दवा'

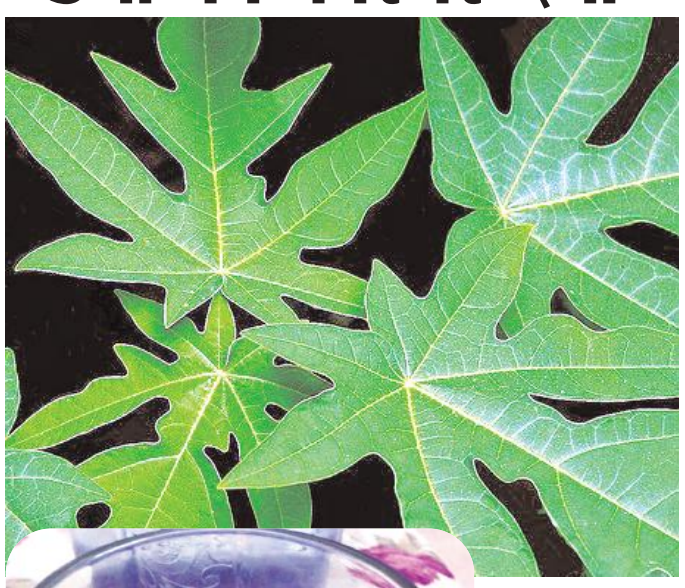

डेंगी के मरीजों को पपीते के पत्ते से फायदा होता है या नहीं अभी इस पर सवालिया निशान हैं, लेकिन श्रीलंकाई वैज्ञानिकों की रिसर्च को ब्रिटिश मेडिकल जर्नल ने पब्लिश कर इसके यूज करने के तरीके पर गाइडलाइन जारी की है। जर्नल की इस स्टडी के अनुसार, पपीते के पत्ते से डेंगी के मरीजों में बुखार के पहले दिन से ही फायदा होता है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि अभी तक जितनी भी स्टडी हुई है, किसी में इसके साइड इफेक्ट की बात सामने नहीं आई है। लेकिन, अभी तक न तो डब्ल्यूएचओ ने इसे रिकमंड किया है और न ही नैशनल गाइडलाइन में इसे शामिल किया गया है। इस रिसर्च पेपर का हवाला देते हुए गंगाराम अस्पताल के डॉक्टर प्रत्युष कुमार ने कहा कि पपीते के पत्ते के कई फायदे बताए गए हैं, जैसे- यह डेंगी फीवर के ड्यूरेशन को कम करता है, अस्पताल में मरीज के ठहराव को कम करता है, बॉडी से फ्ल्यूड लीक नहीं होने देता और वाइट ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स की संख्या को बढ़ाता है। डॉक्टर ने बताया कि इस स्टडी में यह भी कहा गया है कि बुखार कन्फर्म होने के पहले दिन से ही पपीते के पत्ते का रस दिया जा सकता है। हालांकि, यह रस कभी भी इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि अभी तक इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं देखा गया है। रिसर्च पेपर में कहा गया है कि अगर किसी को डेंगी पकड़ में आया है तो उसे तुरंत ऐलोपैथिक डॉक्टर से इलाज शुरू कराना चाहिए और पपीते के पत्ते का इस्तेमाल अलग से डेंगी मैनेजमेंट के लिए किया जा सकता है। पत्ते का जूस कभी भी किसी भी स्टेज में दिया जा सकता है। लेकिन, बुखार आने के पहले दिन से देने पर इसका फायदा बहुत ज्यादा होता है। इसमें कहा गया है कि यह जूस एक अडल्ट को 30 एमएल दिन में तीन बार दिया जाना चाहिए और बच्चों को 5 से 10 एमएल दिन में तीन बार दें। हालांकि इसमें यह भी कहा गया है कि जूस पीने के बाद एक घूंट पानी पी सकते हैं, ताकि इसका कड़वा टेस्ट खत्म हो जाए।

ऐसे तैयार करें पपीते का जूस

इस गाइडलाइन में जूस बनाने का तरीका भी बताया गया है। इसके मुताबिक सबसे पहले हेल्दी और फ्रेश पपीते के पत्ते को लें। इसे अच्छी तरह से धो लें और चॉप कर दें, इसके बाद 50 ग्राम पत्ते लें, इसमें 50 एमएल पानी (पानी गर्म करके ठंडा कर लें) और 25 ग्राम चीनी मिलाएं। इसे 15 मिनट तक मिक्स करें। मिक्स होने के बाद इसे 30 मिनट तक छोड़ दें, इसके बाद इससे जूस निकाल लें। जूस निकालने के लिए हाथों का ही यूज करें। इसके बाद यह जूस डेंगू मरीज को पिलाएं। एक बार तैयार किए गए जूस को 24 घंटे तक फ्रिज में रख सकते हैं।

दिव्य औषधीय गुणों से भरपूर है करेला

हैल्थ संवाददाता

लेटिन में मोर्डिका तथा अंग्रेजी में बिटर गॉर्ड के नाम से पुकारा जाने वाला करेला बेल पर लगने वाली सब्जी है। इसका रंग हरा होता है इसकी सतह पर उभरे हुए दाने होते हैं। इसके अंदर बीज होते हैं। यह अपने स्वाद के कारण काफी प्रसिद्ध है। इसका स्वाद बहुत कड़ुवा होता है इसलिए प्रायः कड़ुवे (बुरे) स्वभाव वाले व्यक्ति की तुलना करेले से कर दी जाती है। एक अच्छी सब्जी होने के साथ-साथ करेले में दिव्य औषधीय गुण भी होते हैं। यह दो प्रकार का होता है बड़ा तथा छोटा करेला। बड़ा करेला गर्मियों के मौसम में पैदा होता है जबकि छोटा करेला बरसात के मौसम में। चूंकि इसका स्वाद बहुत कड़ुवा होता है इसलिए अधिकांश लोग इसकी सब्जी को पसंद नहीं करते। इसके कड़वेपन को दूर करने के लिए इसे नमक लगाकर कुछ समय तक रखा जाता है।

करेला में पोषक तत्व

करेले की तासीर ठंडी होती है। यह पचने में हल्का होता है। यह शरीर में वायु को बढ़ाकर पाचन क्रिया को प्रदीप्त कर, पेट साफ करता है। प्रति 100 ग्राम करेले में लगभग 92 ग्राम नमी होती है। साथ ही इसमें लगभग 4 ग्राम कार्बोहाइट्रेट, 1.5 ग्राम प्रोटीन, 20 मिलीग्राम कैल्शियम, 70 मिलीग्राम फास्फोरस, 1.8 मिलीग्राम आयरन तथा बहुत थोड़ी मात्रा में वसा भी होता है। इसमें विटामिन ए तथा विटामिन सी भी होता है जिनकी मात्रा प्रति 100 ग्राम में क्रमशः 126 मिलीग्राम तथा 88 मिलीग्राम होती है।

गर्मियों के लिए अच्छा है करेला

नमी अधिक तथा वसा कम मात्रा में होने के कारण यह गर्मियों के लिए बहुत अच्छा है। इसके प्रयोग से त्वचा साफ होती है और किसी प्रकार के फोड़े-फुन्सी नहीं होते। यह भूख बढ़ाता है, मल को शरीर से बाहर निकालता है। मूत्र मार्ग को भी यह साफ रखता है। इसमें विटामिन ए अधिक होने के कारण यह आखों की रोशनी के लिए बहुत अच्छा होता है। रतौंधी होने पर इसके पतों के रस का लेप थोड़ी-सी काली मिर्च मिलाकर लगाना चाहिए। इस रोग के कारण रोगी को रात में कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता। विटामिन सी की अधिकता के कारण यह शरीर में नमी बनाए रखता है और बुखार होने की स्थित मिं बहुत लाभकारी होता है। करेले की सब्जी खाने से कभी कब्ज नहीं होती यदि किसी व्यक्ति को पहले से कब्ज हो तो वह भी दूर ही जाती है। इससे एसीडिटी, छाती में जलन और खट्टी डकारों की शिकायत भी दूर हो जाती है।

बुखार में कारगर है करेला

बढ़े हुए यकृत, प्लीहा तथा मलेरिया बुखार में यह बहुत फायदेमंद सिद्ध होता है। इसके लिए रोगी को करेले के पत्तों या कच्चे करेले को पीसकर पानी में मिलाकर पिलाया जाता है। यह इस दिन में कम से कम तीन बार पिलाना चाहिए। कच्चा करेला पीसकर पिलाने से पीलिया भी ठीक हो जाता है। रस निकालने से पहले पत्तों या करेले को ठीक से रगड़कर धोना जरूरी होता है क्योंकि आजकल फल सब्जियों को रोगों तथा कीड़ों से बचाने के लिए अनेक रसायन छिड़के जाते हैं जो हमारे शरीर के लिए हानिकारक होते हैं। जोड़ों के दर्द तथा गठिया रोग में करेले की सब्जी बिना कड़ुवापन दूर किए दिन में तीनों समय अर्थात सुबह नाश्ते में और फिर दोपहर तथा रात्रि के भोजन में खाई जानी चाहिए। फोड़े-फुन्सी तथा रक्त विकार में करेले का रस लाभकारी होता है। इन पर करेले के पत्तों का लेप भी किया जा सकता है। करेले का रस निकालते समय यह ध्यान रखें कि यह बहुत ज्यादा पतला न हो और उसे साफ बर्तन में निकाला जाए।

कुष्टरोग में करेला है रामबाण

त्वचीय रोग, कुष्ठ रोग तथा बवासीर में करेले को मिक्सी में पीसकर प्रभावित स्थान पर हल्के-हल्के हाथों से लेप लगाना चाहिए। यह लेप नियमित रूप से रात को सोने से पहले लगाएं। जब तक इच्छित लाभ न हो लेप लगाना जारी रखना चाहिए। करेले के रस की एक चम्मच मात्रा में शक्कर मिलाकर पीने से खूनी बवासीर में लाभ होता है। यह शरीर में उत्पन्न टॉकसिन्स तथा उपस्थित अनावश्यक वसा को दूर करता है अतः यह मोटापा दूर करने में भी विशेष रूप से सहायक होता है।

जिस स्त्री को मासिक स्राव बहुत कठिन तथा दर्द भरा हो तो उसे भी करेले के रस का सेवन करना चाहिए। इसका सेवन गर्भवती स्त्रियों में दूध की मात्रा भी बढ़ाता है।

आयुर्वेद में हैं स्मरण शक्ति बढ़ाने वाली कई जड़ी बूटियाँ

स्मरण शक्ति का हमारे जीवन में क्या महत्व है इससे हम सभी परिचित हैं। दरअसल स्मरण शक्ति ही हमारे जीवन की दिशा निर्धारित करती है। अच्छी स्मरण शक्ति जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने में सहायक सिद्ध होती है। रोजमर्रा के जीवन में भी अनेक कार्य ऐसे होते हैं जो हम अपनी स्मरण शक्ति के आधार पर ही करते हैं। यदि यही स्मरण शक्ति क्षीण हो जाए तो निश्चय ही हम स्वयं को असहाय स्थिति में पाएंगे। तनाव एक ऐसा कारक है जो स्मरण शक्ति को कमजोर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रायः तनावग्रस्त व्यक्ति ही तथ्यों को ठीक से याद नहीं रख पाते इसके अतिरिक्त गहरी दिमागी चोट, कोई घातक रोग या किसी शोक में पड़ने के कारण भी स्मरण शक्ति कमजोर पड़ जाती है। नशीले पदार्थों का ज्यादा मात्रा में लगातार सेवन करने से भी स्मरण शक्ति क्षीण होने लगती है। स्मरण शक्ति का प्रभाव उम्र से भी संबंधित होता है किशोरावस्था तथा नौजवानी में स्मरण शक्ति तेज होती है। बढ़ती उम्र के साथ-साथ स्मरण शक्ति भी घटती जाती है। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के लिए अच्छी स्मरण शक्ति का खासा महत्व है इसलिए अच्छी स्मरण शक्ति की नींव बचपन से ही डाली जानी चाहिए। यदि बचपन से ही इस बात का ख्याल रखा जाए कि बच्चे की स्मरण शक्ति तेज हो तो आगे चलकर वह कुशाग्र बुद्धि वाला बनता है। आयुर्वेद में अनेक ऐसी जड़ी-बूटियां हैं जिनका प्रयोग स्मरण शक्ति को तेज करने के लिए प्राचीन काल से ही किया जा रहा है। एक से तीन वर्ष तक के बच्चों को ब्राह्मी तथा शंखपुष्पी का शरबत नियमित रूप से देना चाहिए। इनके प्रयोग से बच्चे हृष्ट-पुष्ट तथा कुशाग्र बुद्धि वाले बनते हैं। इसके अतिरिक्त बेल का शरबत भी मस्तिष्क को पुष्ट करता है। ब्राह्मी का शरबत बनाने के लिए 50 ग्राम ब्राह्मी के पत्ते लेकर कैंची से काटकर साफ कर लें। बाद में उसे पीस कर उबालें जब तक कि अधिकांश पानी वाष्पित न हो जाए। जब यह पानी केवल 250 ग्राम रह जाए तो उसमें लगभग 500 ग्राम चीनी डालकर दो तार की चाशनी होने तक पका लें। इसी प्रकार शंखपुष्पी का शरबत भी बनाया जा सकता है। शंखपुष्पी के फूल बाजार में आसानी से मिल जाते हैं। देखने में ये शंख जैसे लगते हैं। तीन वर्ष तक के बच्चों को इस शरबत की एक चम्मच मात्रा सुबह और इतनी ही मात्रा शाम को दी जा सकती है। इससे बच्चों के व्यक्तित्व का समग्र विकास होता है। आंवले, गाजर तथा सेब के मुरब्बे को एक साथ मिक्सी में पीसकर चटनी बना लें। बाद में इस चटनी में 5-5 ग्राम ब्राह्मी, शंखपुष्पी तथा जटामांसी का चूर्ण मिला लें। लगभग 10 ग्राम छोटी इलायची भी पीस कर इसमें मिला लें। इस चटनी को किसी साफ-सुधरे मर्तबान में संग्रहित कर लें। तीन से आठ वर्ष तक के बच्चों को यह चटनी दिन में तीन बार सुबह, दोपहर तथा शाम को आधी से एक चम्मच दें। इससे बच्चों की स्मरण शक्ति बढ़ती है। आठ से बीस वर्ष तक के बच्चों को एक अवलेह दिया जा सकता है। जिससे स्मरण शक्ति तेज होती है। इस अवलेह को बनाने के लिए कागजी बादाम की गिरी, अखरोट की गिरी, कच्चे चिलगोजे की 100-100 ग्राम मात्रा तथा 100 ग्राम चारों मगज (खरबूजा, तरबूज, खीरा तथा घीया) को मिलाकर ऑवले का पिसा हुआ मुरब्बा मिला लें। बाद में इस मिश्रण में ब्राह्मी शंख पुष्पी तथा जटांमासी का 10-10 ग्राम चूर्ण तथा छोटी इलायची का 20 ग्राम चूर्ण मिला ले। इस अवलेह को साफ मर्तबान में भरकर रखें। इस मिश्रण की एक-एक चम्मच मात्रा सुबह-शाम लें। इसे गुनगुने दूध के साथ भी लिया जा सकता है। इसके सेवन से स्मरण शक्ति तो दुरुस्त रहती है साथ ही यह हृदय, नेत्र तथा दांतों को भी पुष्ट करता है। बच्चों को भोजन के बाद मौसम के अनुसार यदि गाजर, घीया या फूल मखाने की खीर दी जाए तो इससे भी शरीर एवं मस्तिष्क स्वस्थ रहता है। कमलगट्टे के हलुए का सेवन सभी उम्र के लोग कर सकते हैं। मस्तिष्क के लिए यह अमृत के समान होता है। इसे बनाने के लिए कमलगट्टे के बीज निकालकर उसका छिलका उतार लें। इसका हरा भाग हटा दें। इसे पीसकर शुद्ध घी में गुलाबी होने तक भून लें बाद में इसमें चीनी तथा पिसी इलायची मिला लें। यह हलुआ शरीर को निरोग बनाए रखने में भी मदद देता है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	10	8	2	16
कोलकाता	10	7	3	14
लखनऊ	10	6	4	12
हैदराबाद	10	6	4	12
चेन्नई	10	5	5	10
दिल्ली	11	5	6	10
बेंगलोर	11	4	7	8
पंजाब	10	4	6	8
गुजरात	11	4	7	8
मुंबई	11	3	8	6

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
542 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

जसप्रीत बुमराह
17 विकेट
मुंबई

बाउंड्री मीटर

1611 चौके

931 छक्के

आईपीएल के होनहार बनेंगे भारत का भविष्य, रियान-नितीश ने मचाई सनसनी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल 2024 का रोमांच जारी है। 50 से ज्यादा मुकाबले अब तक खेले जा चुके हैं। इनमें कई युवा भारतीय खिलाड़ियों ने अपना जलवा बिखेरा है। दुनिया की लोकप्रिय लीग हमेशा से युवाओं के लिए वरदान साबित हुई है। इसके जरिए तमाम खिलाड़ियों को भारतीय टीम में मौका मिला है। 17वें सीजन में भी मयंक यादव, रियान पराग जैसे युवा अपने खेल की वजह से चर्चाओं में बने हुए हैं। इन खिलाड़ियों को भारत का भविष्य माना जा रहा है।

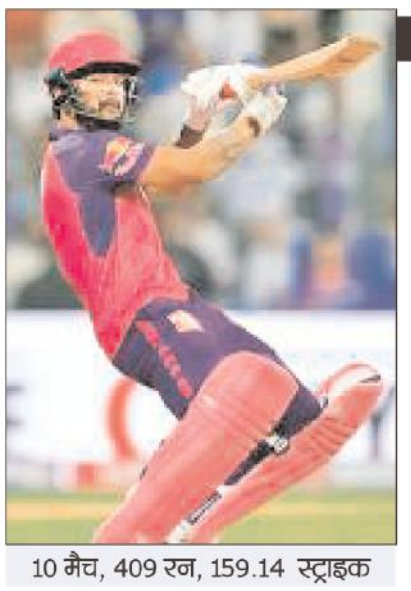

10 मैच, 409 रन, 159.14 स्ट्राइक

रियान पराग

राजस्थान रॉयल्स के दमदार बल्लेबाज रियान पराग ने आईपीएल के इस सीजन में अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। उनके बल्ले से निकलता हर शॉट उनके हुनर की गवाही दे रहा है। राजस्थान के लिए अब तक 10 मैच खेल चुके इस बल्लेबाज ने 159.14 के स्ट्राइक रेट से 409 रन बनाए हैं। मौजूदा समय में वह सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं। क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि उन्हें जल्द ही बीसीसीआई की तरफ से बुलावा आ सकता है।

आशुतोष शर्मा

7 मैच , 159 रन
189.29 स्ट्राइक रेट

पंजाब किंग्स के स्टार फिनिशर आशुतोष शर्मा ने भी अपने प्रदर्शन से इस साल प्रभावित किया है। निचले क्रम पर उतरकर वह ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हैं। इस सीजन में उन्होंने सात मैचों में 159 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 189.29 का रहा है। 25 वर्षीय बल्लेबाज के नाम आईपीएल में एक अर्धशतक दर्ज है। माना जा रहा है कि जल्द ही उन्हें भारतीय टीम में जगह मिल सकती है।

नेहल वढेरा

4 मैच , 105 रन
134.62 स्ट्राइक रेट

मुंबई इंडियंस के युवा बल्लेबाज नेहल वढेरा ने इस सीजन में कई उपयोगी पारियां खेली हैं। उन्होंने अपनी जुझारू पारियों से दर्शकों को प्रभावित किया है। मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने चार मैचों में 134.62 के स्ट्राइक रेट से 105 रन बनाए हैं। इस सीजन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 49 रनों का रहा है। वहीं, पिछले सीजन में भी उनका बल्ला जमकर गरजा था। 25 वर्षीय बल्लेबाज ने 14 मुकाबलों में दो अर्धशतकों की बदौलत 241 रन बनाए थे।

नितीश रेड्डी

7 मैच , 219 रन
154.23 स्ट्राइक रेट

युवा ऑलराउंडर नितीश रेड्डी ने आईपीएल 2024 में विस्फोटक प्रदर्शन किया है। गेंद और बल्ले से वह इस सीजन में धमाल मचाते दिख रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए नितीश ने सात मैचों में 154.23 के स्ट्राइक रेट से 219 रन बनाए हैं। इस सीजन उनके बल्ले से दो अर्धशतक निकले। वहीं, उनका उच्चतम स्कोर 76* रनों का रहा है। इसके अलावा 20 वर्षीय खिलाड़ी ने तीन विकेट चटकाए हैं।

तुषार देशपांडे

9 मैच , 10 विकेट
27.70 औसत

चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे इस सीजन में घातक गेंदबाजी करते नजर आ रहे हैं। चेन्नई के लिए उन्होंने नौ मैचों में 10 विकेट चटकाए हैं। तुषार में भारतीय प्रशंसकों को भारत का भविष्य नजर आ रहा है। माना जा रहा है कि जल्द ही उन्हें टीम इंडिया की तरफ से बुलावा भेजा जा सकता है।

खबर संक्षेप

बैन दवाओं पर मुक्केबाज अखिल ने किया जागरुक

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज और झज्जर पुलिस में सहायक आयुक्त अखिल कुमार ने झज्जर के जवाहरलाल बाग स्टेडियम में बातचीत में उभरते हुए खिलाड़ियों को सलाह दी कि उन्हें नशीली दवाओं के खतरे से बचकर रहना चाहिए। अखिल ने पीटीआई से कहा, 'बतौर खिलाड़ी और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के पैनल के सदस्य होने के नाते मैं इसके खतरे को समझता हूं। इसलिए मैंने उन्हें सलाह दी कि इससे कैसे दूर रहें। मैंने उन्हें कहा कि नियमित रूप से होने वाले मेडिकल चेक-अप के दौरान भी उन्हें डॉक्टर को बताना चाहिए कि वे एथलीट हैं ताकि वे उन्हें प्रतिबंधित दवाई नहीं लिखें।'

पीठ में जकड़न के कारण इम्पैक्ट प्लेयर बने रोहित

मुंबई। लेग स्पिनर पीयूष चावला ने कहा कि भारतीय कप्तान और मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को पीठ में थोड़ी जकड़न के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इंडियन आईपीएल मैच में बतौर 'इम्पैक्ट सब' खेलने के लिए बाध्य होना पड़ा था। 'इम्पैक्ट सब' के तौर पर खेलने उतरे रोहित 12 गेंद में महज 11 रन ही जोड़ सके। इस मैच में मुंबई इंडियंस को केकेआर से 24 रन की हार का सामना करना पड़ा। इससे पांच बार की चैंपियन टीम इस साल के आईपीएल से लगभग बाहर हो गई है।

ब्रिटेन दौरे पर तमिलनाडु की युवा टीम देगी चुनौती

चेन्नई। तमिलनाडु के युवा खिलाड़ियों की टीम ब्रिटेन दौरे के दौरान विभिन्न टीमों के खिलाफ सीमित ओवरों के मैच के अलावा कई दिन चलने वाले मुकाबले भी खेलेगी। तमिलनाडु क्रिकेट संघ ने शनिवार को टीम के श्रृंखला के लिए रवाना होने की घोषणा की। टीएनसीए ने एक विज्ञप्ति में कहा कि यह दौरा आधिकारिक रूप से सोमवार से शुरू होगा। टीम के कोच पूर्व भारतीय गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी हैं जबकि एक अन्य पूर्व भारतीय खिलाड़ी रोबिन सिंह सलाहकार और तनवीर जब्बार बल्लेबाजी कोच हैं। राज्य के विकेटकीपर बल्लेबाज एन जगदीशन और प्रदोष रंजन पॉल टीम के मशहूर चेहरे हैं। इस दौरे पर नाटिंघम, मैनचेस्टर और लंदन में सात वनडे और चार कई दिवसीय मैच खेले जाएंगे।

आईपीएल
11 मैचों में आठ अंक के साथ सातवें स्थान पर आरसीबी

बेंगलोर की हैट्रिक जीत, प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार, गुजरात को चार विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| बेंगलोर

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में शनिवार को गुजरात टाइटंस को चार विकेट से हरा दिया। यह आरसीबी की लगातार तीसरी जीत है। गुजरात टाइटंस की टीम ने 19.3 ओवर में ऑल आउट होकर 147 रन बनाए। रॉयल चैलेंजर्स ने 13.4 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 152 बनाए। इस जीत से आरसीबी 11 मैचों में आठ अंक के साथ सातवें स्थान पर है और तकनीकी तौर पर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर नहीं हुई है। गुजरात टाइटंस की टीम इस सीजन 11 में से 7 मैच हारकर 9वें स्थान पर है। फाफ डु प्लेसी ने 23 गेंद में दस चौकों और तीन छक्कों की मदद से 64 रन बनाए जबकि विराट कोहली ने 27 गेंद में दो चौकों और चार छक्कों के साथ 42 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 35 गेंद में 92 रन जोड़े। अपनी गलतियों के कारण हालांकि एक बार आरसीबी 148 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ा गई थी। डुप्लेसी और कोहली ने पावरप्ले में 92 रन जोड़े जिसमें 10 चौके और सात छक्के शामिल थे।

पंजाब पर पटलवार करने उतरेगी चेन्नई

धर्मशाला। गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स रविवार को यहां लगातार दूसरी बार इंडियन प्रीमियर लीग मैच में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी तो उसकी कोशिश जीत की लय हासिल करने पर लगी होगी। तीन दिन पहले ही पंजाब किंग्स ने चेपक पर सीएसके को सात विकेट से हराया था। घरेलू टीम की यह पिछले तीन मैच में दूसरी हार थी जिससे टीम मुश्किल में है। सीएसके 10 अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर है और पांच बार की चैंपियन उम्मीद करेगी कि स्थान बदलने से उसका भाग्य भी बदल जाएगा।

एलएसजी के सामने केकेआर की चुनौती

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग में प्लेऑफ की ओर बढ़ रही लखनऊ सुपरजायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स की टीमें रविवार को जब एक-दूसरे के सामने मैदान में होंगी तो उनका इरादा जीत के साथ अंतिम चार में अपनी जगह का दावा मजबूत करने पर होगा। मुंबई इंडियंस को उसके घरेलू मैदान पर कम स्कोर वाले मैच में 24 रन से मात देने के बाद केकेआर को नाम 14 अंक हो गए है और टीम प्लेऑफ क्वालीफिकेशन के बेहद करीब है। ऐसे में लोकेश राहुल की अगुवाई में एलएसजी पर दबाव होगा।

टी-20 में डुप्लेसी के 10 हजार रन पूरे

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान डुप्लेसी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टी-20 क्रिकेट में अपने 10 हजार रन भी पूरे किए। फाफ ने अपना अर्धशतक महज 18 गेंदों में पूरा किया। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने महज 23 गेंदों का सामना करते हुए 64 रन की विस्फोटक पारी खेली। फाफ ने आरसीबी की तरफ से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक जड़ा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की ओर से सबसे तेज फिफ्टी जमाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम दर्ज है, जिन्होंने 2013 में सिर्फ 17 गेंदों में पचास रन ठोक डाले थे।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4	6
साहा का कार्तिक बो सिराज	01	07	0	0
गिल का विशाक बो सिराज	02	07	0	0
सुदर्शन का कोहली बो ग्रीन	06	14	0	0
शाहरुख खान रन आउट	37	24	5	1
मिलर का मैक्सवेल बो शर्मा	30	20	3	2
तेवतिया का विशाक बो दयाल	35	21	5	1
राशिद खान बो दयाल	18	14	2	1
शकर का सिराज बो विशाक	10	07	2	0
सुतार का स्वप्निल बो विशाक	01	02	0	0
मोहित शर्मा रन आउट	00	01	0	0
नूर अहमद रन आउट	00	00	0	0

अतिरिक्त : 07, कुल : 19.3 ओवर में 147/10
गेंदबाजी : स्वप्निल 1-0-1-0, सिराज 4-0-29-2, दयाल 4-0-21-2, ग्रीन4-0-28-1, विशाक 3.3-0-23-2, शर्मा 3-0-42-1.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर	रन	गेंद	4	6
कोहली का साहा बो अहमद	42	27	2	4
डुप्लेसी का शाहरूख बो लिटिल	64	23	10	3
जैक्स का शाहरूख बो अहमद	01	03	0	0
पाटीदार का मिलर बो लिटिल	02	03	0	0
मैक्सवेल का मिलर बो लिटिल	04	03	1	0
ग्रीन का शाहरुख बो लिटिल	01	02	0	0
दिनेश कार्तिक नाबाद	21	12	3	0
स्वप्निल सिंह नाबाद	15	09	2	1

अतिरिक्त : 02, कुल : 13.4 ओवर में 152/6
गेंदबाजी : मोहित 2-0-32-0, लिटिल 4-0-45-4, सुतार 2-0-26-0, अहमद 4-0-23-2, राशिद 1.4-0-25-0

खास खबर

धोनी मेरे क्रिकेट कॅरियर में निभा रहे पिता जैसी भूमिका : पथिराना

चेन्नई। श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीषा पथिराना ने करिश्माई क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को अपने क्रिकेट करियर में पिता तुल्य करार देते हुए कहा कि चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान की छोटी-छोटी सलाह से उन्हें काफी आत्मविश्वास मिला है। इस 21 साल के गेंदबाज ने 2022 में इंडियन प्रीमियर लीग में पदार्पण किया था और तब से वह सीएसके की तेजी गेंदबाजी इकाई के प्रमुख स्तंभ है। उनके शानदार प्रदर्शन पिछले सत्र में सीएसके को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। धोनी से मिले मार्गदर्शन पर पथिराना ने कहा, 'मेरे पिता के बाद, मेरे क्रिकेट जीवन में ज्यादातर वही (एमएस धोनी) पिता जैसी भूमिका निभाते हैं। वह हमेशा मेरा ख्याल रखते हैं और मुझे कुछ मार्गदर्शन देते रहते हैं। यह ऐसा ही है जैसे मेरे पिता घर में करते हैं।'

चौरसिया मेक्यूंग ओपन में 24वें स्थान पर खिसके

सियोल। भारतीय गोल्फर एसएसपी चौरसिया ने शनिवार को यहां जीएस कालटेक्स मेक्यूंग ओपन के तीसरे दौर में दो ओवर 73 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 24वें स्थान पर खिसक गये। एशियाई टूर टूर्नामेंट के तीसरे दौर के बाद अब उनका कुल स्कोर एक अंडर 212 है जबकि बीती रात वह संयुक्त 13वें स्थान पर चल रहे थे। कट हासिल करने वाले अन्य भारतीय गोल्फर अजीतेश संधू 74 के कार्ड से संयुक्त 51वें स्थान पर बने हुए हैं।

आलोचनाओं के बीच पंड्या को मिला परिवार का साथ

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या के लिए आईपीएल का 17वां सीजन कुछ खास नहीं रहा। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद उन्हें फैंस के गुस्से का सामना करना पड़ा। वहीं, मुंबई की टीम भी इस सीजन में प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर हो चुकी है। ऐसे में फैंस का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। स्टार ऑलराउंडर को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच पांड्या ने अपने परिवार को लेकर चर्चा की।

एशियन अंडर-22 : भारतीयों ने पक्के किए रिकॉर्ड 43 पदक

एजेंसी ▶▶| अस्ताना

आकाश गोरखा, विश्वनाथ सुरेश, निखिल और प्रीत मलिक ने शनिवार को यहां अंडर-22 पुरुष फाइनल में प्रवेश किया जिससे भारतीय मुक्केबाजों ने एएसबीसी एशियाई अंडर-22 एवं युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के विभिन्न वर्गों में अभूतपूर्व 43 पदक पक्के किए। सीनियर राष्ट्रीय चैंपियन आकाश ने 60 किग्रा वर्ग में दबदबा बनाते हुए सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान के इलासोव सयात पर 5-0 से जीत हासिल की।

मौजूदा युवा विश्व चैंपियन विश्वनाथ (48 किग्रा) ने रिव्यू के बाद फिलीपींस के बारिकुआत्रो ब्रायन पर 5-2 से जीत दर्ज की। निखिल (57 किग्रा) और प्रीत (67 किग्रा) ने भी क्रमशः मंगोलिया के दोर्जानयाम्बु गानबोल्ड और किर्गिस्तान के अल्माज ओरोजबेकोव को 5-2 के समान अंतर से मात दी।लेकिन एम जादूमणि सिंह (51 किग्रा), अजय कुमार (63.5 किग्रा), अंकुश (71 किग्रा), ध्रुव सिंह (80 किग्रा), जुगनू (86 किग्रा) और युवराज (92 किग्रा) को अंडर-22 के अपने सेमीफाइनल गंवाने से कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। ओलंपिक जाने वाली टीम की सदस्य प्रीति (54 किग्रा) सहित नौ महिला मुक्केबाज अंडर-22 सेमीफाइनल खेलेंगी। अंडर-22 फाइनल मंगलवार को खेले जाएंगे। युवा महिला सेमीफाइनल शुक्रवार रात को होंगे।

पंड्या थके हुए और दबाव में दिखे : फिंच

मुंबई। पूर्व क्रिकेटर आरोन फिंच और ग्रीम स्मिथ का मानना है कि भारतीय उप कप्तान हार्दिक पंड्या थके हुए, हताश और दबाव में दिख रहे हैं तथा उनकी अगुआई में पांच बार की चैंपियन का इंडियन प्रीमियर लीग के इस चरण में जूझना जारी है। शुक्रवार को वानखेडे स्टेडियम में पंड्या को फिर 'हूटिंग' का सामना करना पड़ा जो टीम के लिए निराशाजनक मुकाबला रहा जिसमें कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें 24 रन से शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका के महान कप्तान ग्रीम स्मिथ ने कहा कि मुंबई इंडियंस पंड्या की अगुवाई में भ्रमित लग रही है जिसमें काफी बदलाव किए जा रहे हैं।

जूनियर हॉकी टीम की अगुवाई करेंगे रोहित...

नई दिल्ली। रक्षापंक्ति के खिलाड़ी रोहित की अगुवाई में भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी 20-29 मई तक यूरोप दौरे पर पांच मैच खेलेगी। इस 20 सदस्यीय टीम में शारदानंद तिवारी को उपकप्तान बनाया गया है। हॉकी इंडिया के खिलाड़ियों को अनुभव दिलाने के साथ प्रदर्शन को बेहतर करने की पहल के तहत भारतीय टीम बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड में पांच मैच खेलेगी। रोहित ने कहा, 'हम अपने शिविर में कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं और एक-दूसरे के खेलने की तरीके को समझ रहे है।'

26 सदस्यीय संभावित टीम में आई लीग के चार खिलाड़ी शामिल

भारतीय फुटबॉल टीम कुवैत-कतर को देगी चुनौती

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय कोच इगोर स्टिमक ने शनिवार को 26 सदस्यीय संभावित सूची में आई-लीग के चार खिलाड़ियों को शामिल किया है। यह टीम कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 और एएफसी एशियाई कप 2027 के प्रारंभिक संयुक्त क्वालिफिकेशन के दूसरे चरण के मैचों में चुनौती देगी।

मिजोरम के 23 वर्षीय फॉरवर्ड डेविड लालहलानसंगा ने मोहम्मडन स्पोर्टिंग की आई-लीग जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम इससे शीर्ष स्तर की आईएसएल में जगह बनाने में सफल रही। रीयल कश्मीर के डिफेंडर मुहम्मद हम्माद और इंटर काशी के मिडफील्डर एडमंड लालरिंडिका के साथ आइजोल एफसी के फॉरवर्ड लालरिंजुआला लालबियाकनिया को भी टीम में जगह मिली है।

भारत के संभावित खिलाड़ी

गोलकीपरः अमरिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह संधू। डिफेंडरः अमेय गणेश रानावाडे, जय गुप्ता, लालचुंगनुंगा, मुहम्मद हम्माद, नरेंद्र, निखिल पुजारी, रोशन सिंह नाओरेम। मिडफील्डरः ब्रैंडन फर्नांडिस, एडमंड लालरिंडिका, इमरान खान, इसाक वनलालरुआतफेला, जेकसन सिंह थौनाओजम, महेश सिंह नाओरेम, मोहम्मद यासिर, नंदकुमार सेकर, राहुल कन्नोली प्रवीण, सुरेश सिंह वांगजाम, विबिन मोहनन। फॉरवर्डः डेविड लालह्लानसंगा, जितिन मदाथिल सुब्रान, लालरिनजुआला लालबियाकनिया, पार्थिब गोगोई, रहीम अली, सुनील छेत्री।

10 को प्रशिक्षण शिविर

एआईएफएफ ने कहा कि मोहन बागान और मुंबई सिटी एफसी की टीमें आईएसएल फाइनल में भिड़ेगी ऐसे में इन दोनों टीमों से राष्ट्रीय टीम के लिए चुने जाने वाले संभावितों के नाम की घोषणा दूसरी सूची में की जाएगी। भारत 10 मई को भुवनेश्वर में प्रशिक्षण शिविर शुरू करेगा।

छह जून को पहला मैच

भारतीय टीम ग्रुप ए के अपने आखिरी दो मैचों में छह जून को कोलकाता में कुवैत के खिलाफ खेलने के बाद 11 जून को दोहा में कतर का सामना करेगी। भारत चार मैचों में चार अंक के साथ ग्रुप तालिका में दूसरे स्थान पर है। ग्रुप की शीर्ष दो टीमें फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर के लिए क्वालीफाई करने के साथ एएफसी एशियाई कप सऊदी अरब 2027 में अपनी जगह पक्की करेगी।

विश्व कप में 'इंपैक्ट प्लेयर' नहीं होने से सोचना पड़ेगा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कोलकाता नाइट राइडर्स और आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि अगले महीने अमेरिका में टी20 विश्व कप शुरू होने पर इंडियन प्रीमियर लीग के इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं होने से कप्तानों को अधिक रणनीति के साथ सोचने पर मजबूर होना पड़ेगा।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम के तहत टीमों के पास मैच के दौरान एक खिलाड़ी को बदलने की आजादी होती है। इसे पिछले साल लागू किया गया था। जिसके बाद टीमों आसानी से 200 रन के आस-पास स्कोर कर रही हैं। मुंबई इंडियंस को आईपीएल टी20 मैच में शुक्रवार को 24 रन से हराने के बाद केकेआर के इस गेंदबाज ने कहा, 'इम्पैक्ट प्लेयर नियम से चीजें काफी हद तक बदल जाती हैं। टीम को एक बल्लेबाज या गेंदबाज अधिक रखने की आजादी मिलती है और इससे बल्लेबाजी में अधिक गहराई आती है। आईपीएल में कुछ बड़े स्कोर, कुछ शानदार साझेदारियां और बल्ले से कुछ व्यक्तिगत प्रतिभाएं देखने को मिलीं। अगले महीने होने वाले विश्व कप में ऐसा कोई नियम नहीं होगा। ऐसे में यह देखना होगा कि इसका स्कोर पर क्या असर पड़ता है।

एक्स्ट्रा इनकम से लोन चुकाएं या इक्विटी फंड में करें निवेश

- दोनों ऑप्शन्स पॉजिटिव और नेगेटिव पहलुओं पर गौर करना जरूरी
- अप्रैल में कर्मचारियों की बढ़ती है सैलरी और मिलता है बोनस
- अगर अप्रेजल अच्छा तो बढ़िया मिल सकती है एक्स्ट्रा इनकम

अप्रैल का महीना कर्मचारियों के लिए बीते वित्त वर्ष का सालाना बोनस मिलने का समय होता है। अगर अप्रेजल अच्छा हुआ है तो बढ़िया बोनस और सैलरी हाइक की उम्मीद भी रहती है, लेकिन हाथ में ज्यादा पैसे आने पर खुशी के साथ-साथ कई बार ये कनफ्यूजन भी रहता है कि इन पैसों का सही इस्तेमाल कैसे किया जाए? अपने होम लोन को जल्दी चुकाना सही होगा या फिर इन पैसों को इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए? अगर आपको भी बोनस, वेतन बढ़ने या किसी भी और वजह से एक्स्ट्रा इनकम हुई है, तो यह उलझन आपके मन में भी हो सकती है।

नफा-नुकसान पर करें गौर

अपने होम लोन का प्री-पेमेंट करने और म्यूचुअल फंड निवेश में किसी एक विकल्प को चुनने का फैसला करने से पहले दोनों ऑप्शन्स पॉजिटिव और नेगेटिव पहलुओं पर गौर करना जरूरी है। इसके लिए आपको न होम लोन की ब्याज दर और म्यूचुअल फंड के संभावित सालाना रिटर्न की तुलना करने के साथ ही दोनों परिस्थितियों में अपनी टैक्स देनदारी का अंतर भी देखना होगा। इसके अलावा अपने फाइनेंशियल गोल, जोखिम उठाने की क्षमता और लिक्विडिटी की स्थिति पर भी विचार करना होगा। तभी आप इस बारे में सही फैसला कर पाएंगे। यहां इन सभी पहलुओं पर बारी-बारी से विचार करेंगे।

जानकारी

यह रखना होगा ध्यान

अतिरिक्त फंड या सैलरी का इस्तेमाल कहां किया जाए यह फैसला करने से पहले आपको यह देखना होगा कि आपके होम लोन की ब्याज दर कितनी है और म्यूचुअल फंड में निवेश से आप कितने औसत रिटर्न की उम्मीद कर सकते हैं। अगर आपके होम लोन की ब्याज दर 8.50 फीसदी से 9.50 फीसदी के बीच है और इक्विटी म्यूचुअल फंड से आप सालाना 12 फीसदी औसत रिटर्न हासिल करने की उम्मीद कर रहे हैं, तो जाहिर है कि आपको म्यूचुअल फंड में निवेश करना बेहतर लगेगा। क्योंकि इक्विटी फंड में निवेश पर आपको जितना औसत रिटर्न मिलेगा, वह होम लोन के ब्याज से 2.5 फीसदी अधिक है। आमतौर पर आप यही पाएंगे कि इक्विटी फंड का लॉन्ग टर्म रिटर्न होम लोन के इंटरेस्ट रेट से ज्यादा ही होता है। साथ ही एसआईपी के जरिए इक्विटी फंड में निवेश करने पर कंपाउंडिंग और एवरेजिंग का लाभ भी मिलता है। यानी सिर्फ रिटर्न और ग्रोथ के नजरिये से देखें, तो इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश बेहतर विकल्प नजर आएगा।

लिक्विडिटी पर असर

होम लोन जल्दी चुकाने का फैसला करने से पहले आपको यह भी देखना होगा कि आपकी लिक्विडिटी की स्थिति कैसी है। यानी आपको उस अतिरिक्त फंड या कमाई की कितनी जरूरत है या निकट भविष्य में पड़ सकती है। अगर आपने बोनस में मिले फंड को होम लोन चुकाने में खर्च कर दिया तो फिर उसे वापस नहीं ले सकते, जबकि इक्विटी म्यूचुअल फंड में किया गया निवेश, जरूरत पड़ने पर वापस निकाला जा सकता है।

जोखिम उठाने की क्षमता

होम लोन जल्दी चुकाने के मामले में आपके निवेश पर कोई जोखिम नहीं रहता है। वो रकम आपके होम लोन से सीधे ही घट जाती है। साथ ही अगर आप अपने होम लोन पर 8.50 फीसदी सालाना ब्याज दे रहे हैं, तो आप उसे जल्दी चुकाने के लिए जो भी रकम अदा करते हैं, उस पर भी 8.50 फीसदी रिटर्न पक्का माना जा सकता है। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड पर आप 12 फीसदी संभावित रिटर्न की उम्मीद तो कर सकते हैं, लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश से पहले अपना रिस्क प्रोफाइल यानी जोखिम उठाने की क्षमता का आकलन करना जरूरी है।

निवेश का लक्ष्य

आपके लिए होम लोन का प्री-पेमेंट करना बेहतर होगा या म्यूचुअल फंड में निवेश करना, यह आपके इनवेस्टमेंट गोल यानी निवेश के लक्ष्य पर भी निर्भर है। अगर आप लंबी अवधि में नियमित निवेश के जरिए अपना रिटायरमेंट कॉर्पस तैयार करना चाहते हैं या अपने बच्चों के एजुकेशन के लिए फंड जुटाना है, तो म्यूचुअल फंड इनवेस्टमेंट आपके लिए अच्छा ऑप्शन हो सकता है, लेकिन अगर आपके रिटायरमेंट में ज्यादा वक्त नहीं बचा है या आप बेहतर रिटर्न के लिए लंबे समय तक नियमित निवेश करने की स्थिति में नहीं हैं, तो होम लोन को जल्दी चुकाना आपके लिए बेहतर रहेगा।

टैक्स देनदारी पर असर

आपको यह भी देखना होगा कि दोनों विकल्पों का आपकी टैक्स देनदारी पर क्या असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि होम लोन का ब्याज चुकाने पर आपको सेक्शन 24बी के तहत साल में 2 लाख रुपये तक का अतिरिक्त डिडक्शन मिलता है। इसके अलावा प्रिंसिपल अमाउंट के री-पेमेंट पर सेक्शन 80सी के तहत भी टैक्स छूट मिलती है। वैसे, सेक्शन 80सी के तहत सालाना 1.5 लाख रुपये तक के निवेश पर टैक्स छूट का लाभ तो आप इक्विटी म्यूचुअल फंड में किए गए इनवेस्टमेंट पर भी ले सकते हैं, लेकिन सेक्शन 24बी के तहत 2 लाख रुपये तक के डिडक्शन का लाभ सिर्फ होम लोन के ब्याज पर ही मिलता है। यानी अगर आप अपना होम लोन जल्दी चुका देते हैं, तो उसके बाद आपको यह लाभ नहीं मिल पाएगा, जिससे आपकी टैक्स देनदारी बढ़ सकती है। हालांकि इक्विटी म्यूचुअल फंड में 3 साल के लिए निवेश करने पर सालाना एक लाख रुपये तक के मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं लगता और उससे ज्यादा मुनाफे पर महज 10 फीसदी की दर से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स देना होता है, जो टैक्स सेविंग के लिहाज से काफी अच्छा ऑप्शन है।

शेयर मार्केट में तेजी, ऐसे में क्या करें निवेशक

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

- चुनाव से पहले कहीं गिर तो नहीं जाएगा बाजार, पिछले कुछ महीनों से शिखर पर शेयर बाजार
- इस समय बाजार से दूरी बनाएं या निवेश करें, निवेश किए गए पैसे को निकालें या इंतजार करें

पिछले 3 महीनों से शेयर बाजार में जारी तेजी का सिलसिला मई में भी बने रहने की संभावना है। इसका कारण आर्थिक वृद्धि के बेहतर रहने की उम्मीद के साथ आम चुनावों में मौजूदा सरकार के दोबारा से सत्ता में आने की संभावना और घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी के साथ निवेशकों की धारणा का सकारात्मक होना भी बताया जा रहा है। विश्लेषक भी इसे बेहतर बता रहे हैं। इस साल जनवरी में 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.67 प्रतिशत नीचे आया था। हालांकि, फरवरी के बाद से बाजार में तेजी का सिलसिला बना हुआ है। इस दौरान बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 1.04 प्रतिशत चढ़ा, जबकि मार्च में इसमें 1.58 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई। अप्रैल में, सूचकांक 1.12 प्रतिशत चढ़ा। 'कुल मिलाकर, बाजार में तेजी का सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है। इसका एक प्रमुख कारण घरेलू संस्थागत निवेशकों के साथ व्यक्तिगत निवेशकों दोनों की मजबूत भागीदारी है। लेकिन ऐसे समय में निवेशकों की भी सांसें अटकी हुई हैं कि कहीं चुनाव परिणाम आने से पहले शेयर बाजार का यह बुलबुला फूट तो नहीं जाएगा। इस समय बाजार से दूरी बनाएं या निवेश करें, या फिर निवेश किए गए पैसे को निकालें। इस तरह के तमाम सवाल निवेशकों के मन में चल रहे हैं। इस रिपोर्ट में हम ऐसे ही सवालों के जवाब देंगे।

इस वजह से बाजार में तेजी

बाजार के जानकारों का कहना है कि 'आने वाले दिनों में अगर शेष कंपनियों के वित्तीय परिणाम सकारात्मक रहते हैं तो बाजार में तेजी की भावना बने रहने की उम्मीद है।' 'अगर पश्चिम एशिया में तनाव कम होता है, कंपनियों के वित्तीय परिणाम अच्छे रहते हैं और चीनी अर्थव्यवस्था में मजबूती दिखती है तो बाजार धारणा मजबूत बने रहने की संभावना है। 'बाजार विभिन्न कारणों से रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। सबसे पहले, भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती के साथ सकारात्मक बाजार भावना ने निवेशकों के भरोसे को बढ़ाया है।'

कुलांचें मार रहा बाजार

बीएसई सेंसेक्स इस साल नौ अप्रैल को कारोबार के दौरान 75,124.28 अंक के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। सूचकांक ने उसी दिन पहली बार ऐतिहासिक 75,000 अंक के स्तर को पार किया। सेंसेक्स 10 अप्रैल को पहली बार 75,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण आठ अप्रैल को पहली बार 400 लाख करोड़ रुपये के पार चला गया। वर्तमान में, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4,06,55,851.94 करोड़ रुपये (4,900 अरब डॉलर) है।

क्या बाजार से बनानी चाहिए दूरी

'इस साल की शुरुआत से उच्च मूल्यांकन को लेकर चिंताओं के बावजूद मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में तेजी जारी है। इसका कारण संभवतः पर्याप्त घरेलू नकदी और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए दृष्टिकोण का सकारात्मक होना है। 'छोटी कंपनियों का यह बेहतर प्रदर्शन वैश्विक स्तर पर पिछले बड़े बाजारों में देखे गए रुझान को बताता है। इससे पता चलता है कि भारतीय बाजार भी संभवतः विकास के उसी चरण में है।

क्या बनाएं रणनीति

यह पूछे जाने पर कि क्या इस वर्ष मई में बेचें और दूर चले जाएं की रणनीति लागू होगी। एक अन्य फर्म के दिग्गज निवेशक ने कहा कि 'ऐतिहासिक आंकड़ों पर विचार करते हुए, यह स्पष्ट है कि पारंपरिक रूप से 'मई में बेचें और दूर चले जाएं' की रणनीति बाजार की मौजूदा स्थिति और खासकर आम चुनावों को देखते हुए सच नहीं हो सकती है। रणनीति के अनुसार एक निवेशक मई में अपने शेयर बेचता है और आमतौर पर अस्थिर माने जाने वाले मई से अक्टूबर के दौरान निवेश से बचता है। फिर नवंबर में इक्विटी शेयर बाजार में वापस आ जाता है। अब 'मई में बेचें और बाजार से दूर रहें' वाली कहावत पुरानी हो चुकी है। आंकड़े इसकी पुष्टि नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि ब्याज दर में कटौती में देरी और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने के बावजूद बाजार में तेजी बनी रहेगी। हमारी मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था के साथ कई क्षेत्रों में सकारात्मक परिणाम स्थिति को संतुलित बना रहे हैं। इसके अलावा, वर्तमान सरकार के मौजूदा चुनाव में फिर से सत्ता में लौटाने की संभावना भी बाजार में गति बनाये हुए हैं।

चांदी भी असली 'सोना'

- बढ़ रही कीमत निवेशकों को कर सकती है मालामाल
- एक साल में चांदी ने 10 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया
- अगले एक साल में 35 फीसदी ग्रोथ की संभावना
- एक लाख रुपये प्रति किलो तक जा सकती है कीमत
- ईटीएफ के जरिये सिल्वर में किया जा सकता है निवेश

निवेश मंत्रा
विनोद कौशिक

अब चांदी भी निवेशकों की पहली पसंद बनती जा रही है। सराफा बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी ने पिछले एक साल में 10 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। चांदी की चमक भी सोने से कम नहीं है। अग यूं कहें कि निवेशकों के लिए अब चांदी भी असली 'सोना' है, तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। चांदी की लगातार बढ़ती कीमतें निवेशकों की 'चांदी' करवा रही हैं। जानकारों का कहना है कि अगले एक साल में चांदी 35 फीसदी तक रिटर्न दे सकती है। अनुमान है कि अगले एक साल में चांदी की कीमतें एक लाख रुपये प्रति किलो तक हो सकती हैं। ऐसा हुआ तो चांदी छप्पर फाड़ रिटर्न देगी और निवेशक मालामाल हो जाएंगे। अब सवाल उठता है कि चांदी में कैसे निवेश किया जाए यानी चांदी में निवेश के क्या क्या तरीके हो सकते हैं जो निवेशकों लुभाने में कामयाब होते हैं। चांदी में निवेश के तरीकों में फिजिकल सिल्वर खरीदना, ईटीएफ और फ्यूचर मार्केट में निवेश शामिल है। चांदी में निवेश करने का पॉपुलर तरीका एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स है। यह उन लोगों के लिए एक बेहतरीन ऑप्शन है जो चांदी के सिक्कों या आभूषणों में निवेश करना पसंद नहीं करते हैं, लेकिन चांदी से मोटी कमाई करना चाहते हैं। सिल्वर ईटीएफ अपनी संपत्ति का 95 फीसदी फिजिकल सिल्वर और चांदी से रिलेटिड सामान में निवेश करते हैं। सिल्वर ईटीएफ की एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) अप्रैल में 5,000 करोड़ रुपये को पार कर गया। एयूएम वो पैसा होता है जो निवेशकों द्वारा फंड हाउसों को निवेश के लिए दिया जाता है।

लगातार बढ़ रही कीमतें बढ़ा रही दिलचस्पी

सिक्कों में निवेश

देश आज भी लाखों करोड़ों लोग हैं, जो चांदी के सिक्कों और बिस्कुट में निवेश करना पसंद करते हैं। सिक्कों को सरकार द्वारा ऑथराइज्ड डीलर्स और ज्वेलर्स से ऑनलाइन और ऑफलाइन खरीदना आसान है। जब बाजार में इस कमोडिटी की कीमत बढ़ती है तो चांदी के सिक्कों को बेचने से आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है। यदि आपको तत्काल कैश की जरूरत है तो आप चांदी को सही प्राइस मिलना काफी मुश्किल होता है।

सिल्वर फ्यूचर में इंवेस्टमेंट

यह निवेश का पूरी तरह से अलग तरीका है। एक फ्यूचर कांट्रैक्ट दो पक्षों के बीच एक तय डेट पर असेट खरीदने या बेचने की डील है। सिल्वर फ्यूचर्स या सिल्वर फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स एक ऐसा ही निवेश का तरीका है। सिल्वर मार्केट के अनप्रिडिक्टेबल नेचर को देखते हुए यह काफी रिस्की इंवेस्टमेंट है। निवेशकों को घाटे का सामना भी करना पड़ सकता है। वहीं, अगर कीमतों में अच्छी तेजी अइती है तो निवेशकों को फायदा भी हो सकता है।

एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ)

चांदी में निवेश करने का एक पॉपुलर तरीका एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) है। यह उन लोगों के लिए एक बेहतरीन ऑप्शन है जो चांदी के सिक्कों या आभूषणों में निवेश करना पंसद नहीं करते हैं, लेकिन चांदी से मोटी कमाई करना चाहते हैं. सिल्वर ईटीएफ अपनी संपत्ति का 95 फीसदी फिजिकल सिल्वर और चांदी से रिलेटिड सामान में निवेश करते हैं। ईटीएफ में किसी भी तरीके की चोरी की कोई संभावना नहीं होती। जैसे-जैसे चांदी की कीमत में इजाफा होता है इसके रिटर्न में भी इजाफा होता रहता है। साथ ही, आप सिल्वर ईटीएफ को मार्केट प्राइस पर बेच सकते हैं। सिल्वर ईटीएफ में निवेश कर आप चांदी के फिजिकल ट्रेड में शामिल कुछ जोखिमों से बच सकते हैं।

सिल्वर माइनिंग स्टॉक

सिल्वर में निवेश करने का एक तरीका और भी है और वो है सिल्वर माइनिंग कंपनियों के शेयर भी खरीद सकते हैं। यह दो संभावित तरीकों से बेनिफिट मिल सकते हैं। पहला, चांदी के बाजार भाव बढ़ने से ऐसी कंपनी की कमाई बढ़ेगी। बाजार की अनुकूल परिस्थितियों में उनका मुनाफा चांदी की कीमत से ज्यादा तेजी से बढ़ सकता है। दूसरा, माइनर समय के साथ इस मेटल का प्रोडक्शन बढ़ा सकते हैं और साथ ही साथ अपना मुनाफा भी बढ़ा सकते हैं। यही कारण है कि सिल्वर माइनिंग स्टॉक्स निवेशकों को बेहतर रिजल्ट देते हैं। सिक्योरिटीज में इंवेस्ट करने से पहले निवेशकों को सिल्वर माइनिंग कंपनी का गहराई से एनालिसिस करना जरूरी है। यह जानना भी जरूरी है कि इस सेक्टर में निवेश करने के कुछ नुकसान भी हैं।

सिल्वर ईटीएफ

सितंबर 2021 में, सेबी ने म्यूचुअल फंड हाउसों को भारत में सिल्वर ईटीएफ लॉन्च करने की परमीशन दी थी। सिल्वर ईटीएफ स्कीम को शुद्ध संपत्ति का कम से कम 95 फीसदी चांदी और चांदी से संबंधित सामान में निवेश करना होता है। इसके अलावा, लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन के अनुरूप फिजिकल सिल्वर 99.9 फीसदी शुद्धता (999 भाग प्रति हजार) के साथ स्टैंडर्ड 30 किलोग्राम बार की होनी चाहिए।

ईटीएफ क्या है

चांदी को शेयरों की तरह खरीदने की सुविधा को सिल्वर ईटीएफ कहते हैं। ये एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड हैं, जिन्हें स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जा सकता है। चूंकि सिल्वर ईटीएफ का बेंचमार्क स्पॉट सिल्वर की कीमतें हैं, आप इसे चांदी की वास्तविक कीमत के करीब खरीद सकते हैं।

निवेश के फायदे

कम मात्रा में भी खरीद सकते हैं ईटीएफ के जरिए सिल्वर यूनिट्स में खरीदते हैं। इससे कम मात्रा में या एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए चांदी खरीदना आसान हो जाता है। सिल्वर ईटीएफ की 1 यूनिट की कीमत अभी 100 रुपये से भी कम है। यानी आप 100 रुपये से भी कम में इसमें निवेश की शुरुआत कर सकते हैं।

ईटीएफ में करें निवेश

सिल्वर ईटीएफ खरीदने के लिए डीमैट अकाउंट होना जरूरी है। इसमें एनएसई या बीएसई पर उपलब्ध सिल्वर ईटीएफ के यूनिट आप खरीद सकते हैं और उसके बराबर की राशि आपके डीमैट अकाउंट से जुड़े बैंक अकाउंट से कट जाएगी। आप ग्रो, अपस्टॉक्स और पेटीएम जैसे ऐप्स के जरिए फ्री में डीमैट अकाउंट खोल सकते हैं।

चांदी रहती है सुरक्षित

इलेक्ट्रॉनिक चांदी डीमैट अकाउंट में होती है, जिसमें सिर्फ सालाना डीमैट चार्ज देना होता है। साथ ही चोरी होने का डर नहीं होता। वहीं फिजिकल चांदी में चोरी के खतरे के अलावा उसकी सुरक्षा पर भी खर्च करना होता है।

व्यापार की आसानी : सिल्वर ईटीएफ को बिना किसी परेशानी के तुरंत खरीदा और बेचा जा सकता है। यानी पैसों की जरूरत पड़ने पर आप जब चाहे इसे बेच सकते हैं।

आरईआईटी के जरिये पैसा लगाकर हो सकते हैं मालामाल

अब बिना घर खरीदे भी किया जा सकता है रियल एस्टेट में निवेश!

यह ऐसा मंच जो कम मात्रा में प्रतिभूतिकृत अचल संपत्ति निवेश करवा रहा

विकल्प
बिजनेस डेस्क

आजकल डिजिटल जमाने में निवेशकों के सामने निवेश के कई विकल्प मौजूद हैं। ऐसे एसेट्स में निवेश कर निवेशक भी मालामाल हो रहे हैं। अब रियल इस्टेट में भी पैसा लगाकर निवेशक बिना घर खरीदे भी अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। आपने अक्सर यह बात सुनी होगी कि रियल एस्टेट में निवेश करने के लिए प्रॉपर्टी या घर खरीदना जरूरी होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसा तरीका भी है, जिसकी मदद से आप रियल एस्टेट में निवेश कर सकते हैं और इसके लिए आपको प्रॉपर्टी खरीदने की जरूरत नहीं होगी। रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरईआईटी) के जरीये निवेश कर इनकम जनरेट कर सकते हैं। कहा भी जाता है कि रियल एस्टेट में कभी पैसा नहीं डूबता। समय के अनुसार इसमे पैसा बढ़ता ही जाता है। इससे व्यक्तिगत निवेशकों के लिए किसी प्रॉपर्टी को खरीदे, मैनेज किए या फाइनेंस किए बिना रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट्स से डिविडेंड हासिल करना संभव हो जाता है।

एक म्यूचुअल फंड की तरह काम करता है, बढ़ाता पैसा

कंपनी की तरह करता है काम

आरईआईटी एक कंपनी की तरह काम करता है, यि एक कंपनी ही है जो इनकम जनरेट करने वाले रियल एस्टेट का स्वामित्व रखती है, उसका संचालन करती है और उसे फाइनेंस करती है। रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट में कई निवेशकों की पूंजी का सामूहिक कोष होता है। इससे व्यक्तिगत निवेशकों के लिए किसी प्रॉपर्टी को खरीदे, मैनेज किए या फाइनेंस किए बिना रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट्स से डिविडेंड हासिल करना संभव हो जाता है। एक रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट उन युवा निवेशकों के लिए बेहतर हैं जो पारंपरिक रियल एस्टेट लेनदेन के लिए प्रतिबद्ध हैं और अपने इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो में विविधता लाना चाहते हैं।

निवेश करने के कई फायदे

रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट मुख्य रूप से तीन प्रकार के होते हैं। इनमें मॉर्गेज रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट, हाइब्रिड रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट, और इक्विटी रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट शामिल हैं। आरईआईटी को अपनी आय का 90 प्रतिशत निवेशकों में बांटना पड़ता है। वह डिविडेंड या ब्याज के रूप में यूनिटहोल्डर्स को यह रकम बांटता है। इससे निवेशक को आरईआईटी में अपने निवेश पर नियमित आय कमाने का मौका मिलता है। बता दें कि आरईआईटी में कई लाख रुपये निवेश करने की जरूरत नहीं पड़ती है, जिसके कारण निवेश इससे अच्छा मुनाफा कमा पाते हैं।

इतने निवेश से कर सकते हैं शुरूआत

आरईआईटी में न्यूनतम निवेश की रकम पहले 2 लाख रुपये थी, लेकिन फिर इसे घटाकर 10,000-15,000 रुपये कर दिया गया, ताकि ज्यादा से ज्यादा निवेशकों को आरईआईटी में निवेश का मौका मिले। सेबी ने आरईआईटी के लिए साल 2015 में नियम बनाए थे। इन नियमों के अनुसार, आरईआईटी के निवेश से जुड़ी शर्तें भी तय की हैं। आरईआईटी को अपने फंड से 80 फीसदी पूरी तरह से तैयार और किराया देने वाली प्रॉपर्टी में निवेश करना पड़ता है। अगर आप रियल एस्टेट से पैसा बनाना चाहते हैं तो इस सेक्टर में पैसे निवेश करने से पहले आपको इसकी समझ होनी बहुत जरूरी है। आप किसी रियल एस्टेट सलाहकार से भी इसके बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और अच्छे पैसे बना सकते हैं।

आरईआईटी क्या है

रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरईआईटी) एक ऐसा मंच है जो निवेशकों को कम मात्रा में प्रतिभूतीकृत अचल संपत्ति निवेश की अनुमति देता है। यह एक म्यूचुअल फंड की तरह काम करता है, जो विभिन्न निवेशकों से एकत्र की गई पूंजी को एक स्थान पर संयोजित करता है। इसके जरीये निवेशक प्रॉपर्टी में निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। आरईआईटी के माध्यम से, लीज पर दी जाने वाली अचल संपत्तियों को कई हिस्सों में वर्गीकृत किया जा सकता है और उन्हें एक पत्र निवेश या प्रतिभूति में परिवर्तित किया जा सकता है।

मिलेगा बढ़िया रिटर्न

प्लॉट से लेकर कमर्शियल प्रॉपर्टी में से कुछ भी खरीदना चाहते हैं तो आपको इसके लिए दस बार सोचना पड़ता होगा, लेकिन आप आरईआईटी में निवेश करके हजार गुना रिटर्न पा सकते हैं। रियल एस्टेट हमेशा से आपरेशिएटिंग एसेट माना गया है और इसकी वैल्यू समय के साथ हमेशा बढ़ती ही है इसलिए यह निवेश का एक अच्छा तरीका है।

भारत में आरईआईटी में देर क्यों हुई

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने वर्ष 2008 में इसके लिए मसौदा दिशा-निर्देश जारी किये, लेकिन वर्ष 2014 में उन्हें अधिसूचित किया गया। तब यह कहा गया कि आरईआईटी में अधिकतम तीन प्रायोजक होने चाहिएं और उसमें किया जाने वाला निवेश तैयार हो चुकी आय अर्जक संपत्ति में आरईआईटी परिसंपत्तियों का कम-से-कम 80% होना चाहिए। 2016 के बजट में आरईआईटी को लाभांश वितरण कर से छूट दी और उन्हें विदेशी निवेश की अनुमति दी। 2016 में, सेबी ने कहा कि आरईआईटी के निवेश प्रबंधकों को प्रस्तावित दस्तावेजों में कम-से-कम लगातार 3 वर्षों के लिए फंड के राजस्व, संपत्ति-आधारित ऑपरेटिंग कैश प्रवाह को दर्शाना चाहिए। 28 जुलाई, 2017 को एंबेसी ऑफिस पार्क आरईआईटी सेबी के साथ पंजीकृत हुआ। अब यह निवेश का बढ़िया विकल्प बन रहा है।

पलामू, गुमला और उत्तर प्रदेश में पीएम मोदी ने कांग्रेस पर किया बड़ा हमला

कांग्रेस, जेएमएम और आरजेडी कर रहीं जनता की जायदाद हड़पने की कोशिश, ये भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे, अब आरक्षण 'लूटना' चाह रहे

एजेंसी ▶▶ बनारस/ गुमला/ पलामू

पीएम ने बताया कि भाजपा और झारखंड का दिली रिश्ता है। उन्होंने कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा पर जनता की जायदाद को हड़पने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 500 साल में जो नहीं हुआ, जनता के एक वोट से वो कार्य पूरा हुआ।

तीसरे चरण के मतदान से पहले पीएम नरेंद्र मोदी झारखंड में लोकसभा चुनाव प्रचार करने पहुंचे। पलामू में प्रचार के दौरान रैली को भी संबोधित किया। पीएम मोदी ने बताया कि भाजपा और झारखंड का दिल का रिश्ता है। उन्होंने कांग्रेस और राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर जनता की जायदाद को हड़पने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि 500 साल में जो नहीं हुआ, जनता के एक वोट से वो कार्य पूरा हुआ। आज अयोध्या में राम मंदिर बन गया।आप सभी अपने एक वोट के महत्व को बहुत अच्छी तरह जानते हैं। 2014 में आपके एक वोट ने ऐसा काम किया कि पूरी दुनिया भारत के लोकतंत्र की ताकत को सलाम करने लगी थी। आपने 2014 में अपने एक वोट से कांग्रेस की महाभ्रष्ट सरकार को हटा दिया था। आपके एक वोट ने माताओं की आस पूरी की और नक्सलवादी आतंकवाद से मुक्ति दिला दी

2014 में आपके एक वोट ने दुनिया को दिखा दी भारत की बढ़ती ताकत

मजबूत सरकार के लिए मोदी सरकार...

उन्होंने बताया कि एक वो स्थिति थी, जब आतंकी हमले के बाद कांग्रेस की डरपोक सरकार दुनिया भर में जाकर रोती थी। आज स्थिति ये है कि पाकिस्तान दुनिया भर में जाकर रो रहा है। मजबूत भारत तो अब मजबूत सरकार ही चाहता है। पूरा हिंदुस्तान कह रहा है-मजबूत भारत के लिए मजबूत सरकार, मजबूत सरकार के लिए मोदी सरकार। पीएम ने कहा कि कांग्रेस के शहजादे मोदी के आंसुओं में अपनी खुशी ढूंढ रहे हैं। कहते हैं कि मोदी के आंसू अच्छे लगते हैं। ये निराश-हताश लोग अब कुंठित हो गए हैं। एक कहावत है - जाके पांव न फटी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई! कांग्रेस के शहजादे की हालत वही है।

विपक्ष को जनता की जायजाद के अलावा कुछ नहीं दिखता

प्रधानमंत्री ने बताया कि वह झारखंड में रोजगार बढ़ाना चाहते हैं और यहां के लोगों के जीवन में खुशहाली लाना चाहते हैं। उन्होंने कांग्रेस पर झारखंड की जनता की जमीनों पर कब्जा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और झामुमो की नजर केवल जनता की जायदाद पर है, उन्हें इसके अलावा कुछ नहीं दिखता।

झामुमो ने मात्र भ्रष्टाचार किया

सत्तारूढ़ पार्टी झामुमो पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि झामुमो और कांग्रेस के नेताओं ने भ्रष्ट्राचार से अपार धन संपदा खड़ी की है। मैं तो गरीबी का जीवन जीकर आया हूं। इसलिए, 10 वर्षों में गरीब कल्याण की हर योजना की प्रेरणा, मेरे जीवन के अनुभव ही हैं। जब आज लाभार्थियों से मिलता हूं, तो खुशी के मारे आंसू आ ही जाते हैं। ये आंसू वही समझ सकता है, जिसने गरीबी देखी हो।

नया भारत अब शत्रुओं को घर में घुसकर मारता है

उन्होंने कहा कि आपके एक वोट की ताकत की बदौलत पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। इसी वोट की ताकत से ऐसा नया भारत बना है, जो घर में घुसकर मारता है। पहले कांग्रेस की डरपोक सरकार दुनिया में जाकर रोती थी। आज पाकिस्तान दुनिया भर में जा-जाकर रोता है। पलामू के चियांकी हवाई अड्डा मैदान में आयोजित महारैली में उमड़ी विशाल भीड़ को देखकर पीएम मोदी ने कहा कि आपने जेएमएम-कांग्रेस को दिन में तारे दिखा दिए।

गबनत पर हैं शहजादे के पिता

पीएम ने कहा कि राजद का इतिहास सदैव सामाजिक न्याय का मुखौटा लगाकर तुष्टीकरण करने का रहा है। जब गोधरा में कार सेवकों को जिंदा जलाया गया था तब रेल मंत्री बिहार के शहजादे के पिता थे। जो सजा काट रहे हैं और जमानत पर घूम रहे हैं। इन पर भ्रष्टाचार के कई मामले दर्ज हैं।

आरक्षण को छूना असंभव

लोकसभा चुनाव को लेकर झारखंड के गुमला जिले में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि जितने लोग मैदान में हैं उससे ज्यादा तो बाहर में हैं। एससी एसटी ओबीसी को जब आरक्षण मिला है उसमे चोरी करें का खेल चल रहा है। जब तक मैं हूं आरक्षम को कोई छू नहीं सकता।

जय श्रीराम के साथ बजे शंख, मंजीरे और डमरू

वाराणसी। जय श्रीराम...जय जय श्रीराम के जयकारों के बीच शंख, मंजिरा, डमरू, करताल की मंत्रमुग्ध करती ध्वनि। राम स्तुति पर मनोहारी नृत्य करते छात्र। अनेकता में एकता का संदेश देतीं विभिन्न प्रांतों की वेशभूषा में तैयार छात्राएं। मौका था शनिवार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन का, जिसमें विभिन्न संगीत और नृत्य संस्थानों के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। उसबसे पहले राम आएंगे...राम आएंगे भजन की प्रस्तुति हुई। बच्चों ने विकसित भारत तस्वीर की झांकी भी लगाई है। यहां पर एक एलसीडी स्क्रीन लगाई गई है। साथ ही, पुष्प वर्षा का इंतजाम किया गया है। बच्चों और महिलाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

गुजरात की रैली में शाह का राहुल पर तीखा तंज

समस्या लोकसभा सीट में नहीं 'आप' में है

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुजरात के छोटा उदयपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस और राहुल गांधी को जमकर निशाने पर लिया। राहुल के बार-बार सीट बदलने को लेकर उन्होंने तीखा तंज कसा और कहा कि समस्या लोकसभा सीट में नहीं है, बल्कि खुद राहुल में है। उन्होंने कांग्रेस पर निर्धारित आरक्षण पर भी डाका डालने का आरोप लगाया।वे अमेठी में हार गए तो वायनाड चले गए। अब वह वायनाड में हारने वाले हैं, तो अमेठी जाने की बजाय रायबरेली भागे।

कांग्रेस एक नंबर की आदिवासी विरोधी पार्टी

शाह ने शनिवार को छोटाउदेपुर जिले के बोडेली में आयोजित चुनावी सभा में आरक्षण और संविधान को लेकर कांग्रेस की ओर से किए जा रहे दावों को झूठा करार देते हुए कहा कि केन्द्र में जब तक भाजपा सरकार है, आरक्षण को कोई हाथ नहीं लगा सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक नंबर की आदिवासी विरोधी पार्टी है। इन्हें केवल झूठ बोलना आता है।

आचार्य प्रमोद कृष्णम का बड़ा दावा

चुनाव बाद राहुल-प्रियंका-गुट में बंट जाएगी कांग्रेस

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को टिकट न मिलने पर पूर्व कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी की जो पलायन वाली नीति है। उन्होंने अमेठी को छोड़ा है। प्रियंका के चुनाव न लड़ने से कांग्रेस नेताओं में एक ज्वालामुखी धधक रहा है जो 4 जून के बाद फटेगा। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि कांग्रेस का एक और विभाजन सुनिश्चित है। 4 जून के बाद वह दो धड़ों राहुल गांधी का और प्रियंका गांधी के धड़े में बंट जाएगी।

पाक के फवाद का फिर उमड़ा राहुल के लिए प्यार

नई दिल्ली। पाकिस्तान के इमरान खान की कैबिनेट में मंत्री रह चुके फवाद चौधरी ने फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफ की है।उन्होंने एक्स पर लिखा कि राहुल परदादा जवाहरलाल की तरह ही समाजवादी हैं, विभाजन के 75 साल बाद भी भारत और पाक की समस्याएं एक जैसी हैं। राहुल ने कल रात अपने भाषण में कहा कि 30 या 50 परिवारों के पास भारत की 70 % संपत्ति है, इसलिए पाकिस्तान में भी है जहां केवल पाक बिजनेस काउंसिल नामक एक बिजनेस क्लब और कुछ रियल एस्टेट सेठों के पास पाक संपत्ति का 75% हिस्सा है।

कांग्रेस को सरहद पार से मोहब्बत का पैगाम मिल रहा

नई दिल्ली। इस पर भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि चौधरी ने हाल ही में वही कहा जो विपक्ष भारत में कहता है, यानी भारत में भाजपा की सरकार नहीं आनी चाहिए, पीएम मोदी को हारना चाहिए। मैं सभी से अनुरोध है कि वे जाएं और फवाद चौधरी का ट्वीट देखें। कांग्रेस को सरहद पार से मोहब्बत का पैगाम मिल रहा है।

खबर संक्षेप

तमिलनाडु में कांग्रेस नेता का शव मिला

तिरुनेलवेली। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में शनिवार को एक जिला कांग्रेस नेता मृत पाया गया।

मृत पाए गए जिला कांग्रेस नेता की पहचान केपीके जयकुमार धनसिंह के रूप में हुई है। जिनका आधा जला हुआ शव खेल में मिला।पुलिस ने बताया कि यह वारदात तब हुई जब हाल ही में पीड़ित ने जान को खतरा होने का दावा किया था। धनसिंह कांग्रेस की तिरुनेलवेली (पूर्व) इकाई के प्रमुख थे।

राष्ट्रपति 8 मई तक दौरे पर हिमाचल प्रदेश पहुंचीं

शिमला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 4 से 8 मई, 2024 तक हिमाचल प्रदेश का दौरा करेंगी। वे शिमला के

मशोबरा स्थित राष्ट्रपति भवन में रुकेंगी।राष्ट्रपति 6 मई को धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी। 7 मई को राष्ट्रपति गेयटी हेरिटेज कल्चरल कॉम्प्लेक्स, शिमला में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेंगी। राजभवन में राज्यपाल के रात्रिभोज में शामिल होंगी।

थापन परिवार हाई कोर्ट में, खान पर एक्शन हो

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग करने के मामले बड़ी खबर है। आरोपी अनुज थापन ने कुछ दिन पहले जेल में कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी। थापन के परिवार ने मुंबई हाई कोर्ट में रिट फाइल की है। हाई कोर्ट से खान के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामले की सीबीआई जांच की मांग भी मृतक के परिवार ने की है।

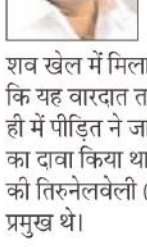

रेवन्ना मामले में राहुल गांधी ने लिखी सीएम सिद्धारमैया को चिट्ठी

सख्त कार्रवाई करने को कहा, जेडीएस नेताओं के घर एसआईटी ने की पूछताछ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ बेंगलुरु

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक के सीएम सिद्धरमैया को पत्र लिखा है। इसमें जनता दल सेक्युलर के नेता प्रज्वल रेवन्ना के उत्पीड़न का शिकार हुईं पीड़िताओं को हरसंभव मदद देने को कहा गया है। सिद्धारमैया को लिखे पत्र में रेवन्ना के कृत्यों की निंदा की और उनके ऊपर पीएम नरेंद्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का हाथ होने का आरोप लगाया।

पीएम पर निशाना साधते हुए राहुल ने कहा कि उन्होंने अभी तक ऐसा जनप्रतिनिधि नहीं देखा, जिसने महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों पर लगातार चुप्पी साधे रखी हो। उन्होंने पत्र में कहा कि मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया पीड़िताओं को हरसंभव सहायता प्रदान करें। राहुल ने कहा,वे हमारी करुणा और एकजुटता की पात्र हैं। यह सुनिश्चित करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है कि इन जघन्य अपराधों के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को सजा दी जाए।

पीड़िताओं को हरसंभव मदद देने को कहा

राहुल ने कहा कि उन्होंने अभी तक ऐसा जनप्रतिनिधि नहीं देखा, जिसने महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों पर लगातार चुप्पी साधे रखी हो।

जघन्य अपराध किया गया

घटनाओं को यौन हिंसा करार देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि रेवन्ना ने कई वर्षों में सैकड़ों महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया और उनका वीडियो बनाया। उनमें से कई महिलाएं, जो उसे भाई और बेटे के रूप में देखती थीं, उनके साथ भी हिंसक तरीके से क्रूरता की गई और गरिमा को ठेस पहुंचाई गई।

मुझे सदमा लगा

राहुल ने कहा कि मुझे यह जानकर गहरा सदमा लगा कि दिसंबर 2023 में जी देवराजे गौड़ा ने प्रज्वल की हरकतों, विशेष रूप से उनके यौन हिंसा के इतिहास और वीडियो के बारे में शाह को बताया था। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को इन वीभत्स आरोपों की जानकारी थी, लेकिन इसके बावजूद मोदी ने एक बलात्कारी के लिए प्रचार किया। इसके अलावा केंद्र सरकार ने जान-बूझकर रेवन्ना को भारत से भागने दिया ताकि जांच को नुकसान पहुंचाया जा सके। इसकी कड़ी निंदा हो।

रेवन्ना को भारत लाएं

राहुल ने आरोप लगाया कि अपने 2 दशकों के जनसेवा इतिहास में मैंने कभी ऐसा वरिष्ठ जनप्रतिनिधि नहीं देखा, जिसने महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर निरंतर चुप्पी साध रखी हो। कर्नाटक सरकार ने जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। रेवन्ना को जल्द भारत लाने का अनुरोध भी किया है।

एसआईटी ने पूछताछ की

एसआईटी अधिकारी जद (एस) नेता एचडी रेवन्ना और प्रज्वल के होलेनरसीपुरा स्थित आवास पर शनिवार को पहुंचे। होलेनरसीपुरा थाने में पिता-पुत्र के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला पहले ही दर्ज किया जा चुका है। इस नए मामले में मैसुरू जिले के कृष्णराजा नगर के रहने वाले 20 वर्षीय शिकायतकर्ता ने कहा कि रेवन्ना ने उसकी मां का अपहरण कर लिया है।

दिल्ली पुलिस को बड़ी साजिश का संकेत

शाह के फेक वीडियो मामले में एफआईआर में नई धारा जोड़ी

धारा 120बी (आपराधिक साजिश की सजा) लगाई

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फेक वीडियो को वायरल करने के संबंध में दर्ज प्राथमिकी में आपराधिक साजिश के आरोप जोड़े गए हैं। दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस के एक राष्ट्रीय समन्वयक को गिरफ्तार करने के एक दिन बाद शनिवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि तेलंगाना के हैदराबाद के मूल निवासी अरुण बीरेड्डी एक्स पर 'स्पिरिट ऑफ कांग्रेस' अकाउंट संभालते थे। उन्हें शुक्रवार को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था। एफआईआर में आपराधिक साजिश की सजाजोड़ दी है, क्योंकि जांच में बड़ी साजिश का संकेत है।

रेड्डी 3 दिन की हिरासत में

रेड्डी कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम के प्रमुख सदस्यों में से एक हैं और उन पर आरोप है कि उन्होंने छेड़छाड़ किए गए वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। अन्य सदस्यों के साथ साझा भी किया। उन्हें शुक्रवार रात यहां एक अदालत में पेश किया गया और अदालत ने तीन दिन की हिरासत में भेज दिया।

इन धाराओं के तहत केस दर्ज

दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि बीरेड्डी से पूछताछ शुरू हो गई है। गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (14सी) की एक शिकायत पर सेल ने रविवार को आईपीसी की धारा 153 (दंगा भड़काने के इरादे से उकसाना), 153ए (शत्रुता को बढ़ावा देना), धर्म, नस्ल, जन्म स्थान के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच), 465 (जालसाजी के लिए सजा), 469 (प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से जालसाजी), 171जी (चुनाव के संबंध में गलत बयान) के तहत एफआईआर दर्ज की थी।

केजीएमयू में शोध पत्रों की स्टडी

कोविशील्ड लगवाने वालों को डरने की जरूरत नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केजीएमयू के न्यूरोलॉजी विभाग ने कोविशील्ड वैक्सीन के दुष्प्रभाव को

लेकर देशभर के शोध पत्रों का अध्ययन कर रिपोर्ट जारी की है। न्यूरोलॉजी इंडिया में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक यह वैक्सीन लगवाने वालों को अब दो साल बाद ब्लड क्लाटिंग, दिल का दौरा पड़ने व न्यूरो से संबंधित बीमारियों की आशंका न के बराबर है।वैक्सीन लगने के 2 हफ्ते में देशभर में करोड़ों लोगों में से महज 136 लोगों को कुछ परेशानी हुई थी। विभाग के प्रमुख डॉ. आरके गर्ग के निर्देशन में यह अध्ययन किया गया।

डॉ. गर्ग ने बताया कि जून 2022 तक 1,97,34,08,500 कोविड वैक्सीन की डोज लगाई गई थी। इनमें ज्यादातर लोगों को कोविशील्ड वैक्सीन लगी थी। वैक्सीन के दुष्प्रभाव पर प्रकाशित शोध पत्रों का विभाग के डॉ. हरदीप सिंह मल्होत्रा, डॉ. इमरान रिजवी और डॉ. बालेंद्र प्रताप सिंह आदि ने अध्ययन किया।10 मरीजों के दिमाग में खून का थक्का जमने की शिकायत मिली थी। हरपीज के सबसे ज्यादा 31 मामले मिले थे। मस्तिष्क व स्पाइन कॉर्ड में सूजन और फंक्शनल न्यूरोलॉजिकल डिसआर्डर के मामले भी थे।

राजस्थान-मध्यप्रदेश समेत 17 राज्यों में फिर बदलेगा मौसम

बारिश होगी, मुंबई-तमिलनाडु के समुद्र में ऊंची लहरें उठेंगी

4 मई से एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो गया, कई दिन तक रहेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में भीषण गर्मी और हीटवेव का सामना कर रहे शहरों को अगले 8 दिन राहत मिलने जा रही है।

4 मई से एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो रहा है। इससे पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी होगी, जबकि मैदानी इलाकों में मौसम बदलेगा और बारिश होगी। फिलहाल उत्तर भारत के अलावा दक्षिण भारत में आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक में लू से पारा 45 का आंकड़ा भी पार कर गया है। 3 मई को सबसे ज्यादा तापमान आंध्रप्रदेश के नांदयाल में 46.5 डिग्री दर्ज किया गया।

मुंबई के आसपास तटीय इलाकों में हाई टाइड अलर्ट

तेलंगाना के खम्मम, बंगाल के कलाईकुंडा, ओडिशा के बौद्ध और तमिलनाडु के इरोड में पारा 42 डिग्री से 45 डिग्री के बीच रिकॉर्ड हुआ। इधर,आईएमडी और इंडियन नेशनल सेंटर फॉर ओशियन इन्फॉर्मेशन सर्विसने शनिवार से अगले 36 घंटों के लिए मुंबई और आसपास के तटीय इलाकों में हाई टाइड अलर्ट जारी किया है। इस दौरान समंदर में 5 फीट तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं।मछुआरों को 4 मई की रात 2.30 बजे से 5 मई की रात 11.30 तक समंदर में न जाने की सलाह दी गई है।

कई राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, असम, मेघालय और त्रिपुरा में कई जगहों पर भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा में अलग-अलग जगहों पर लू चलने की संभावना है। असम और मेघालय में बहुत ज्यादा बारिश होने की संभावना है।बेंगलुरू में 162 दिन बाद अच्छी बारिश हुई है। 6 मई से बारिश संभव है।

केरल के लिए हीटवेव की चेतावनी

आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक शनिवार को राज्य के 227 मंडलों में भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है।केरल के 14 में से 12 जिलों में हीटवेव का येलो अलर्ट जारी किया है। यहां तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। मौसम की जानकारी जुटाने वाली प्राइवेट एजेंसी स्कायमेट के अनुसार 6 मई से प्री-मानसून का दौर शुरू होने की उम्मीद है। नॉर्थईस्ट के राज्यों में 4 मई से 9 मई तक बारिश होगी। साथ ही 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। नॉर्थ इंडिया यानी बिहार, झारखंड, बंगाल, उत्तर प्रदेश और ओडिशा में भी बारिश हो सकती है। इस तरह देश के काई राज्यों में मौसम में बड़ा परिवर्तन दिखाई देगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मोः 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)